राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

# फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 307 | शनिवार 01 मार्च 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर | आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 | पेजः 8 | मूल्य : 2 रुपया

## सीएम फडणवीस को पाकिस्तानी नंबर से मिली धमकी, सुरक्षा बढ़ाई गई

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यालय को पाकिस्तान के फोन नंबर से धमकी भरा संदेश मिला है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां जांच में जुट गई हैं। सीएम देवेंद्र फडणवीस के कार्यालय पर हमले की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। धमकीभरा संदेश पाकिस्तानी नंबर से व्हाट्सएप पर भेजा गया है। इस कारण मामले को गंभीरता से लेते हुए सुरक्षा एजेंसियां और चौकन्नी हो गई हैं। मुंबई पुलिस मामला दर्ज कर फौरी जांच में जुट गई है। इसके साथ ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कार्यालय समेत अन्य महत्वपूर्ण सरकारी दफ्तरों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मुख्यमंत्री फडणवीस की सुरक्षा को और कड़ा कर दिया गया है। साइबर सेल और इंटेलिजेंस एजेंसियां संदेश भेजने वाले व्यक्ति या संगठन की पहचान करने में लगी हैं। पुलिस और खुफिया एजेंसियां संदेश भेजने वाले नंबर को ट्रैक कर रही हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय को भी इस घटना की सूचना दे दी गई है। महाराष्ट्र सरकार मुख्यमंत्री की सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरत रही है।

## आधी रात को बिहार और नेपाल में कई जगहों पर भूकंप के झटके, पाकिस्तान में भी काँपी धरती

पटना। गुरूवार आधी रात को नेपाल और बिहार के कई शहरों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। गुरुवार देर रात 2 बजकर 36 मिनट पर आए इस भूकंप की तीव्रता 5.5 थी। इसके अलावा पाकिस्तान में भी धरती हिली। वहां इसकी तीव्रता 4.5 मापी गई है। भूकंप के झटके पूरे हिमालय क्षेत्र में महसूस किए गए। बताया जा रहा है कि भूकंप के झटके दो बार महसूस किए गए। पहली बार काठमांडु के पास तो दूसरी बार भूकंप बिहार बॉर्डर के पास आया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र नेपाल में सिन्धुपाल्चोक जिले के भैरवकुंडा में था। यह जगह राजधानी काठमांडू से करीब 65 किमी पूर्व में है। राहत की बात रही कि इस भूकंप में अभी तक तीनों जगहों पर किसी भी तरह की जानमाल के नुकसान की जानकारी नहीं है। ज्ञात हो कि पिछले महीने भी बिहार से लेकर नेपाल तक भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इसकी तीव्रता 7.1 मापी गई थी। नेपाल के लोबुचे से 84 किलोमीटर उत्तर-उत्तर-पश्चिम में भूकंप आया था, जिसकी गहराई 10 किमी थी।

## मणिपुर के चार जिलों में 109 हथियार सरेंडर, सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता

इंफाल। मणिपुर में जारी अशांति के बीच सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। राज्य के चार जिलों कांगपोकपी, बिष्णुपुर, इंफाल वेस्ट और इंफाल ईस्ट के स्थानीय लोगों ने कुल 109 हथियार और बड़ी मात्रा में गोला-बारूद सुरक्षा बलों को सरेंडर किए हैं। कांगपोकपी जिले के सैकुल पुलिस स्टेशन में स्थानीय लोगों ने 9 एमएम पिस्टल, ग्रेनेड, कारतूस और दो वायरलेस सेट जमा कराए। पुलिस और प्रशासन ने इसे शांति की दिशा में बड़ा कदम बताया है। बिष्णुपुर जिले के फौगाकचाओ इखाई पुलिस स्टेशन में भी लोगों ने अवैध हथियारों का आत्मसमर्पण किया। प्रशासन का कहना है कि इससे जिले में कानून व्यवस्था को बहाल करने में मदद मिलेगी और हालिया हिंसक घटनाओं पर रोक लगेगी। मणिपुर की राजधानी क्षेत्र इंफाल वेस्ट और इंफाल ईस्ट में भी हथियारों का सरेंडर अभियान तेज हो गया है। इंफाल वेस्ट और इंफाल ईस्ट जिलों में कई लोगों ने अवैध हथियार सुरक्षा बलों को सौंपे हैं। मणिपुर सरकार और सुरक्षा बलों की अपील के बाद लोग स्वेच्छा से हथियार सरेंडर कर रहे हैं। सरकार ने पहले ही अवैध हथियारों को जमा करने के लिए अभियान शुरू किया था। इसके तहत हथियार रखने वालों से शांति बनाए रखने के लिए उन्हें सरेंडर करने की अपील की गई थी। हथियार सरेंडर अभियान से मणिपुर में शांति और स्थिरता लौटने में मदद मिलेगी। राज्य प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां इसे सकारात्मक कदम मान रही हैं।

## अधीर रंजन चौधरी के बिगड़े बोल, ममता बंगाली राजनीति में नमक हराम का ज्वलंत उदाहरण

कोलकाता । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व लोकसभा सांसद अधीर रंजन चौधरी ने फिर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि ममता बंगाल की राजनीति में नमक हराम का ज्वलंत उदाहरण हैं। कांग्रेस नेता चौधरी ने कहा, कांग्रेस की कृपा से बंगाल में 2011 में टीएमसी की सरकार बनी जिसे नमक हराम कहते हैं। इसका मतलब यह है कि अपना काम और स्वार्थ के समय काम करके दूसरे के काम से भाग जाना.. इस नमक हराम गिरी कहते हैं...नमक हराम है। कांग्रेस नेता चौधरी ने कहा, मैं ये बात गलत भाषा में नहीं कह रहा हूं.. मैं ये बात शुद्ध भाषा में कह रहा हूं...ममता बंगाली राजनीति में नमक हराम का ज्वलंत उदाहरण हैं। 2011 में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की सहमति के बिना, प्रणब बाबू जैसे व्यक्तित्व के समर्थन के बिना आप 2011 में सत्ता में नहीं आ सकते थे। कांग्रेस ने आपको वे सीट दी जो आप चाहते थे क्योंकि कांग्रेस आपको सत्ता में लाना चाहती थी। दरअसल यह पहली बार नहीं है जब अधीर बाबू ने इस तरह ममता पर निशाना साधा हो, वे अतीत में भी कई बार सीएम पर तीखा हमला करते रहे हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान चौधरी ने कह दिया था कि ममता बनर्जी पर मुझे भरोसा नहीं है।

# यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष लेयेन ने की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात

### भारत और ईयू के बीच मुक्त व्यापार समझौता पर कही बात

**नई दिल्ली (एजेंसी )।** भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आईं यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच बातचीत में भारत और यूरोपीय संघ के बीच रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने पर चर्चा हुई है। पीएम मोदी के साथ अपनी मुलाकात से पहले, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष लेयेन ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौता दुनिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा समझौता होगा, उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष इस साल तक इस मजबूत करने पर विचार कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह दुनिया खतरों से भरी है। लेकिन मेरा मानना ??है कि महान शक्ति प्रतिस्पर्धा का यह आधुनिक संस्करण यूरोप और भारत के लिए नए मौके लाकर

आया है। इसके पहले लेयेन ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। मुलाकात के बाद जयशंकर ने कहा, यूरोप के साथ भारत के जुड़ाव को फिर से सक्रिय करने पर उनके विचारों की सराहना करता हूं। इस यात्रा के दौरान भारतीय मंत्रियों और ईयू कॉलेज ऑफ कमिश्नर्स की व्यापक भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि हम गहरे भारत-ईयू संबंधों को कितना महत्व देते हैं।

इसके पहले यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष लेयेन ने शुक्रवार को कहा कि यूरोपीय संघ (ईयू) और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दुनिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा समझौता होगा और दोनों पक्ष इस साल इसे अंतिम रूप देने पर विचार कर रहे हैं। कुल 27 देशों के इस समूह की शीर्ष नेता ने एक 'थिंक टैंक' को संबोधित कर कहा कि यूरोपीय संघ जापान और दक्षिण कोरिया के साथ अपनी साझेदारी की तर्ज पर भारत के साथ भविष्य में रक्षा समझौते की संभावना तलाश रहा है।

## पाकिस्तानः मस्जिद में जोरदार बम धमाका, 5 लोगों की मौत... 20 गंभीर रूप से घायल

**इस्लामाबाद (एजेंसी )।** शुक्रवार को उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में तालिबान समर्थक मदरसे में एक मस्जिद में शक्तिशाली बम विस्फोट हुआ, जिसमें कम से कम पांच श्रद्धालुओं की मौत हो गई और दर्जनों अन्य घायल हो गए। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी है।

### घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा

जिला पुलिस प्रमुख अब्दुल रशीद ने बताया कि विस्फोट खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के अकोरा खट्टक जिले में हुआ। उन्होंने बताया कि जमीयत-ए-उलेमा इस्लाम (जेयूआई) पार्टी के एक धड़े के प्रमुख हमीदुल हक भी मृतकों में शामिल हैं। रशीद ने बताया कि अधिकारी जांच कर रहे हैं और मृतकों और घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है।

मारे गए मौलवी हक मौलाना समीउल हक के बेटे हैं, जिन्हें ÷तालिबान के पिता÷ के रूप में जाना जाता है, जिनकी 2018 में उनके घर पर चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई थी। हक के परिवार ने शुक्रवार के हमले में उसके मारे जाने की पुष्टि की है और उसके अनुयायियों से शांति बनाए रखने की अपील की है। हक जामिया हक्कानिया मदरसा का भी प्रभारी था, जहां पिछले दो दशकों में कई अफगान तालिबान ने अध्ययन किया था।

### प्रधानमंत्री ने की हमले की निंदा

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हमले की निंदा की और अधिकारियों को घायलों को सर्वोत्तम संभव उपचार उपलब्ध कराने का आदेश दिया। प्रांतीय पुलिस प्रमुख जुल्फिकार हमीद ने कहा कि यह हमला स्पष्ट रूप से आत्मघाती बम विस्फोट था, लेकिन बम निरोधक विशेषज्ञ अभी भी जांच कर रहे हैं। किसी भी समूह ने तुरंत जिम्मेदारी नहीं ली है। हमीद ने कहा कि हक हमले का लक्ष्य था।

### रमजान से पहले हुआ बम धमाका

यह बम विस्फोट मुस्लिम पवित्र माह रमजान से पहले हुआ है, जो अर्धचंद्राकार चांद दिखने पर शनिवार या रविवार को शुरू होने की उम्मीद है। प्रांतीय पुलिस प्रमुख हमीद ने कहा कि जब हमला हुआ तब एक दर्जन से अधिक पुलिस अधिकारी मस्जिद की सुरक्षा में तैनात थे, तथा हक के मदरसे की भी अपनी सुरक्षा थी। हाल के वर्षों में पाकिस्तान में हमलों में वृद्धि देखी गई है। वर्ष 2023 में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की राजधानी पेशावर में एक मस्जिद को निशाना बनाकर किए गए आत्मघाती हमले में 101 लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर पुलिस अधिकारी थे।

## मध्यप्रदेश के नए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष होंगे नरोत्तम मिश्रा

*** कैलाश विजयवर्गीय बनेंगे राष्ट्रीय महामंत्री और मिलेगा पश्चिम बंगाल का प्रभार**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में लंबे समय से चल रही प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा को लेकर अब तस्वीर साफ हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा को मध्यप्रदेश भाजपा का अगला प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाएगा। वहीं, भाजपा के कद्दावर नेता कैलाश विजयवर्गीय को एक बार फिर राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी दी जाएगी, साथ ही उन्हें दोबारा पश्चिम बंगाल का प्रभार भी सौंपा जाएगा। प. बंगाल का विधानसभा चुनाव भाजपा की प्रथम प्राथमिकता में है।

भाजपा ने हाल ही में मध्य प्रदेश में जिला अध्यक्षों की घोषणा कर दी थी, लेकिन प्रदेश अध्यक्ष के नाम पर अंतिम फैसला लेने में देरी हो रही थी। पार्टी में इस पद को लेकर गहन मंथन जारी था। हालांकि, संघ एवं संगठन के सूत्रों के अनुसार, अब नरोत्तम मिश्रा के नाम पर मुहर लग गई है।

पार्टी सूत्रों की मानें तो भाजपा ने प्रदेश अध्यक्ष के लिए अपने पुराने और आजमाए हुए फॉर्मूले पर भरोसा जताया है। नरोत्तम मिश्रा लंबे समय से संगठन और सरकार में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। गृह मंत्री रहते हुए उन्होंने अपनी मजबूत पकड़ और रणनीतिक कौशल का परिचय दिया था, जिसके चलते शीर्ष नेतृत्व ने उन पर भरोसा जताया है। नरोत्तम मिश्रा गृह मंत्री अमित शाह के करीबी है।

जानकारी के मुताबिक, नरोत्तम मिश्रा के नाम को लेकर कैलाश विजयवर्गीय पहले सहमत नहीं थे। उन्हें मनाने के लिए कई दौर की बातचीत चली। इस प्रक्रिया में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अहम भूमिका निभाई और कैलाश विजयवर्गीय को राष्ट्रीय महामंत्री बनाए जाने के साथ-साथ पश्चिम बंगाल का प्रभार देने का फैसला लिया गया है। भाजपा संगठन के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एक ही अंचल से होने के कारण पार्टी संगठन दोनों नेताओं के बीच संतुलन बना रहा है।

नरोत्तम मिश्रा को प्रदेश अध्यक्ष और कैलाश विजयवर्गीय को राष्ट्रीय महामंत्री बनाने के फैसले के बाद भाजपा संगठन में एक नया संतुलन देखने को मिलेगा। इस फैसले से प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की पकड़ और मजबूत होगी।

## राम रहीम की पैरोल के खिलाफ याचिका खारिज, सुप्रीम कोर्ट ने कहा-व्यक्ति विशेष को निशाना नहीं बनाया जा सकता

अमृतसर। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को बार-बार पैरोल और फरलो पर रिहा किए जाने के खिलाफ दायर याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाकर जनहित याचिका दायर नहीं की जा सकती। अगर किसी नियम का उल्लंघन किया गया है या हाईकोर्ट के आदेशों का पालन नहीं किया गया है तो उसे हाईकोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। यह याचिका शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने दायर की थी। याचिका में राम रहीम को 2022 से अब तक बार-बार जेल से बाहर आने की अनुमति दिए जाने का विरोध किया गया था। एसजीपीसी ने कहा कि हरियाणा सरकार लगातार राम रहीम को पैरोल और फरलो देकर जेल से बाहर रहने का मौका दे रही है, जो कानून का उल्लंघन है। राम रहीम की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के कारण यह याचिका दायर की गई है। उन्होंने एसजीपीसी की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब याचिकाकर्ता खुद को धार्मिक संगठन कहता है तो वह राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता की बात कैसे कर सकता है? इस पर एसजीपीसी के वकील ने कहा कि जब राम रहीम खुद को धार्मिक व्यक्ति मानते हैं तो उन पर राजनीतिक द्वेष का आरोप क्यों लगाया जा रहा है?

### गृह मंत्री अमित शाह का दिल्ली को लेकर सख्त निर्देश

## सुरक्षा को लेकर बन गया नया प्लान, घुसपैठियों की आने वाली है आफत, पुलिस को दिए गए ये निर्देश

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली की नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, गृह मंत्री आशीष सूद, दिल्ली पुलिस आयुक्त और कानून व्यवस्था एवं समन्वय पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को देश में प्रवेश करने, उनके दस्तावेज बनवाने और उन्हें यहां रहने की सुविधा देने में मदद करने वाले पूरे नेटवर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। गृह मंत्रालय ने बताया कि अमित शाह ने कहा, दिल्ली में अंतरराज्यीय गिरोहों को निर्मम तरीके से खत्म करना दिल्ली पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए।

बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अवैध घुसपैठियों का मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है और इससे सख्ती से निपटा जाना चाहिए और उनकी पहचान कर उन्हें निर्वासित किया जाना चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि डीसीपी स्तर के अधिकारी पुलिस स्टेशनों में जाकर जनसुनवाई शिविर लगाएं और

जनता की समस्याओं का समाधान करें। दिल्ली पुलिस को उन स्थानों की पहचान करनी चाहिए जहां रोजाना ट्रैफिक जाम होता है और दिल्ली पुलिस आयुक्त और मुख्य सचिव को बैठक करके इसका त्वरित समाधान निकालना चाहिए, ताकि जनता को राहत मिल सके। आज दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार को जल-जमाव वाले स्थानों की पहचान करके जल-जमाव से निपटने के लिए 'मानसून एक्शन प्लान' तैयार करना चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री ने निर्देश दिया कि दिल्ली में निर्माण से संबंधित मामलों में दिल्ली पुलिस की अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी। 2020 के दिल्ली दंगों के मामलों के त्वरित निपटान के लिए दिल्ली सरकार को विशेष अभियोजकों की नियुक्ति करनी चाहिए ताकि इन मामलों का जल्द निपटारा किया जा सके।

## मौसम विभाग ने जारी किया अनुमान, मार्च में भीषण गर्मी की चेतावनी

नई दिल्ली। इस साल मार्च में रिकॉर्ड गर्मी पड़ सकती है। इस दौरान तापमान 38 से 40 डिग्री तक रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार मार्च के दूसरे हफ्ते से दिन और रात का तापमान असामान्य रूप से बढ़ेगा। मौसम विभाग के अधिकारियों ने यह भी चेतावनी दी है कि मार्च में अत्यधिक तापमान बढ़ने से गेहूं की फसल को बड़े पैमाने पर नुकसान उठाना पड़ सकता है। मार्च महीने में लंबे समय तक औसत से अधिक तापमान रहने पर गेहूं की फसल की पैदावार में कमी आने की आशंका है। भारत, दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गेहूं उत्पादक देश है लेकिन पिछले तीन साल से यानी 2022 से लगातार गेहूं की पैदावार कम हो रही है। लिहाजा, भारत महंगे गेहूं के आयात से बचने के लिए 2025 में बंपर फसल की उम्मीद कर रहा है।

### 40 डिग्री सेल्सियस पार कर सकता है तापमान

मौसम विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस साल मार्च असामान्य रूप से गर्म रहने की संभावना है,और दिन एवं रात दोनों का तापमान महीने के अधिकांश समय सामान्य से अधिक रहने की उम्मीद है। अधिकारी ने बताया कि मार्च के दूसरे सप्ताह से दिन के तापमान में बढ़ोत्तरी होने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि मार्च के आखिरी हफ्ते तक देश के कई राज्यों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर जा सकता है। बकौल अधिकारी इस दौरान न्यूनतम तापमान और अधिकतम तापमान दोनों औसत से ज्यादा रह सकता है।

### गेहूं की पैदावार को भारी नुकसान

अधिकारी ने बताया कि तापमान में होने वाली बढ़ोत्तरी साल 2022 के पैटर्न की याद दिला रहा है, जब फरवरी और मार्च में अचानक आई भीषण गर्मी की वजह से गेहूं की फसल को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा था, जिसके कारण गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाना पड़ा था ताकि देश में गेहूं की कीमतें न बढ़ सके और लोगों को रोटी के लिए न तरसना पड़े। एक एन्य मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि उत्तर और मध्य भारत के राज्यों जो गेहूं उत्पादन के लिए जाने जाते हैं, वहां मार्च के मध्य तक तापमान में सामान्य से 6 डिग्री सेल्सियस अधिक की बढ़ोत्तरी हो सकती है। मार्च का महीना गेहूं, चना, दलहन और तेलहन के लिए जाना जाता है, जो अक्टूबर वनंबर में बोया जाता है और मार्च में काटा जाता है।

## कौन से धातु पदार्थों के चैंपियन पर पूरा ध्यान केंद्रित कर रही मोदी सरकार

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** 1950 में अमेरिका ने पहली बार एफ-84 लड़ाकू बमवर्षक विमानों में आगे का हिस्सा, हीट शील्ड, एयर हुड, टेल कवर में टाइटेनियम का उपयोग किया। 1960 के दशक से टाइटेनियम जैसी मिश्र धातु का इस्तेमाल बढ़ा। 1970 के दशक से नागरिक विमानों ने बड़ी मात्रा में टाइटेनियम मिश्रधातु का इस्तेमाल शुरू किया। बोइंग 747 विमान में 3,640 किलो से अधिक टाइटेनियम का इस्तेमाल होता है, जो विमान के पूरे वजन का 28 प्रतिशत है। दरअसल टाइटेनियम ऐसी धातु है, जिसका रॉकेट, उपग्रहों और अंतरिक्ष यान में बड़े पैमाने पर उपयोग होता है। मोदी सरकार का इस वक्त पूरा जोर टाइटेनियम जैसे ही क्रिटिकल मेटल पर ही है।

टाइटेनियम स्टील की तुलना में उतना ही मजबूत है, लेकिन यह स्टील से 45 प्रतिशत हल्की होती है। इसकी सतह पर एक पतली ऑक्साइड कोटिंग होने की वजह से यह जंग प्रतिरोधी है। टाइटेनियम की ताकत एल्युमिनियम मिश्रधातु से 1.3 गुना, मैग्नीशियम

मिश्रधातु से 1.6 गुना और स्टेनलेस स्टील से 3.5 गुना ज्यादा होती है। इसलिए इस धातु पदार्थों का चैंपियन भी कहा जाता है। इसकी ऊष्मीय शक्ति भी जबरदस्त होती है। यह एल्युमिनियम मिश्रधातु से कई सौ डिग्री ज्यादा तापमान सह सकता है। 450ए सेल्सियस से 500ए सेल्सियस पर लंबे समय तक यह काम कर सकता है। यह जंग रोधी भी होता है। अम्ल, क्षार और वायुमंडलीय संक्षारण के लिए इसका प्रतिरोध बहुत अच्छा होता है। यह पिटिंग करोजन और स्ट्रेस करोजन का भी डटकर मुकाबला करता है।

टाइटेनियम की रासायनिक सक्रियता उच्च तापमान पर बहुत अधिक होती है। यह हवा में मौजूद हाइड्रोजन और ऑक्सीजन जैसी गैसीय अशुद्धियों के साथ आसानी से प्रतिक्रिया कर सकता है। इस प्रतिक्रिया से एक कठोर परत बन जाती है जिसे हॉर्डन्ड लेयर कहते हैं। इसकी ऊष्मीय चालकता और लचीलापन में यह बेजोड़ होता है। इसकी ऊष्मीय चालकता निकिल की लगभग 1/4, लोहे की 1/5 और एल्युमिनियम की 1/14 होती है। कई टाइटेनियम मिश्रधातुओं की ऊष्मीय चालकता टाइटेनियम से लगभग 50 प्रतिशत कम होती है।

टाइटेनियम अपने बेहतरीन गुणों के कारण कई खिताब हासिल कर चुका है। टाइटेनियम को सबसे पहला खिताब अंतरिक्ष धातु का। यह हल्का, मजबूत और उच्च तापमान प्रतिरोधी होता है, जो इसे विमान और अंतरिक्ष यान के निर्माण के लिए उपयुक्त बनाता है। आज दुनिया में पैदा होने वाली लगभग तीन-चौथाई टाइटेनियम और टाइटेनियम मिश्रधातुओं का उपयोग एयरोस्पेस इंडस्ट्री में किया जाता है।

## 'समृद्ध भारत' के निर्माण में राजेंद्र प्रसाद का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के पहले राष्ट्रपति 'भारत रत्न' राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि समृद्ध भारत के निर्माण में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री योगी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''महान स्वाधीनता सेनानी, देश के प्रथम राष्ट्रपति, संविधान सभा के अध्यक्ष, 'भारत रत्न' डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि!'' योगी ने कहा ''मूल्यों और आदर्शों से सुवासित आपका संपूर्ण जीवन लोकतंत्र की पाठशाला है। 'समृद्ध भारत' के निर्माण में आपके योगदान सदैव स्मरणीय रहेंगे।'' राजेंद्र प्रसाद का जन्म तीन दिसंबर 1884 को बिहार प्रांत में हुआ था और 28 फरवरी 1963 को 78 वर्ष की उम्र में उनका पटना में निधन हो गया।

## आगरा में पत्नी से पीड़ित मैनेजर ने की आत्महत्या

आगरा। आगरा जिले में पत्नी से परेशान टीसीएस कंपनी के मैनेजर ने वीडियो पर संदेश रिकॉर्ड करने के बाद गले में फंदा लगाकर जान दे दी। मृतक की एक वर्ष पूर्व ही शादी हुई थी। आरोप है कि पत्नी अपने ब्वॉय फ्रेंड के साथ रहना चाहती थी और आए दिन आत्महत्या करने और ससुरालीजनों को फंसाने की धमकी देती थी। मृतक मानव शर्मा टीसीएस कंपनी मुंबई में रिक्रूटमेंट मैनेजर के पद पर कार्यरत था और यहां थाना सदर डिफेंस कॉलोनी का निवासी था। पिता नरेंद्र शर्मा एयरफोर्स से रिटायर हैं और मानव उनका इकलौता पुत्र था। नरेंद्र शर्मा ने थाना सदर में दर्ज कराए मुकदमे में कहा कि मानव की शादी 30 जनवरी, 2024 को शादी हुई थी। शादी के बाद से ही पत्नी परेशान करने लगी, मानव पत्नी को अपने साथ मुंबई ले गया। बहू आत्महत्या करने की धमकी देती थी जिससे पूरा परिवार फंस जाएगा। आरोप है कि बहू अपने ब्वाय फ्रेंड से बात करती थी और उसी के साथ रहना चाहती थी। विगत 23 फरवरी को मानव पत्नी को लेकर मुंबई से आगरा आया यहां से वह उसे छोड़ने बरहन चला गया। बरहन में ससुरालीजनों ने उसे प्रताड़ित किया। अगले दिन 24 फरवरी की सुबह मानव ने कमरे में पंखे पर फंदा कस कर आत्महत्या कर ली। सुसाइड से पहले 6.57 मिनट का वीडियो भी बनाया। सुबह परिजनों ने मानव को पंखे पर लटका देखा तो अस्पताल लेकर गए लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। वीडियो में मानव ने सुसाइड करने से पहले रोते हुए कहा ' मर्दों की भी सोचो, प्लीज, मर्दों के बारे में कोई तो बात करे। बेचारे बहुत अकेले होते हैं। पापा, मम्मी सॉरी, अक्कू सॉरी। मेरे जाते ही सब ठीक हो जाएगा, मेरी सुसाइड के बारे मेरे घरवालों को परेशान न करें।'

## यादों में अमर हो गया 45 दिन का अद्भुत आध्यात्मिक संगम

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुम्भ 45 दिनों तक आस्था, श्रद्धा और संस्कृति का केंद्र बना रहा। करोड़ों श्रद्धालुओं ने यहां पुण्य स्नान किया, संतों-महात्माओं के प्रवचन सुने और दिव्य वातावरण का आनंद लिया। अब जब महाकुम्भ का समापन हो गया है तो यह एक याद बनकर दिलों में बस गया है। महाकुम्भ के दौरान जो घाट भक्तों से भरे रहते थे, वे अब सूने हो चुके हैं। श्रद्धालु अपने-अपने गंतव्य की ओर लौट चुके हैं, लेकिन संगम की लहरों में अभी भी आरती की गूंज महसूस होती है। महाकुम्भ में बिताए पल, संतों की वाणी और आध्यात्मिक अनुभूतियां श्रद्धालुओं के हृदय में सजीव बनी रहेंगी। महाकुंभ के सफल आयोजन में प्रशासन, सुरक्षा बलों और विशेष रूप से सफाई कर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन कर्मयोगियों का आभार व्यक्त किया और उनके योगदान को सराहा। कुम्भ क्षेत्र को स्वच्छ बनाए रखने के लिए सफाई कार्य अभी भी जारी है। महाकुंभ के समापन ने पर्यावरणीय जिम्मेदारी पर भी चर्चा को तेज कर दिया है। महाकुम्भ ने एक बार फिर गंगा और यमुना की पवित्रता बनाए रखने की प्रेरणा दी है। इस भव्य आयोजन की समाप्ति के साथ, सभी को संकल्प दिलाया है कि मां गंगा और यमुना को स्वच्छ और अविरल बनाए रखने में योगदान देंगे, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इस दिव्य अनुभव का आनंद ले सकें। स्वच्छता से जुड़े एक स्थानीय अधिकारी ने कहा, 'महाकुंभ भले ही खत्म हो गया हो, लेकिन इसका संदेश हमेशा जिंदा रहेगा। हमारी नदियों और परिवेश की शुद्धता को बनाए रखना हम सभी का कर्तव्य है।'

## उप्र के महोबा में कार व ट्रक की भिड़ंत, भोपाल के चार श्रद्धालुओं की मौत

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में कानपुर-सागर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार को कार और ट्रक की भिड़ंत में कार सवार चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जिसमें एक महिला भी है। ये सभी लोग भोपाल के निवासी थे और प्रयागराज महाकुंभ से लौट रहे थे। पुलिस ने शवों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया और मृतकों की शिनाख्त कर परिजनों को सूचना दी है। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के मुताबिक, टक्कर इतनी भीषण थी कि कार सवार तीन युवकों- भोपाल निवासी नरेश नागर पुत्र सिद्धनाथ नागर (35), कार चालक अवधेश नागर पुत्र बाबूलाल (35) और भूरा गुर्जर (31) की मौके पर मौत हो गई। जबकि घायल महिला पूजा नागर पत्नी अनूप सिंह (23) ने जिला अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ा। राष्ट्रीय राजमार्ग से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटवा कर यातायात सुचारू रूप से चालू करवा दिया गया है।

## उप्र के चंदौली सड़क हादसे में कोलकाता के तीन लोगों समेत चार की मौत, सात घायल

**-शादी समारोह से लौटते समय हुआ हादसा, परिजनों में कोहराम**

चंदौली। उत्तर प्रदेश के चंदौली जनपद के नौगढ़ मधुपुर मार्ग पर जयमोहिनी पोस्ता गांव के समीप गुरुवार की देर रात भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई जबकि सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की चीख पुकार सुन वहां पहुंचे स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से वाहन में फंसे लोगों की किसी तरह बाहर निकलवा कर उन्हें अस्पताल भिजवाया। घटना की जानकारी पाते ही पुलिस अफसर भी मौके पर पहुंच गए। जनपद के चकिया पालपुर निवासी इश्तखार अहमद उर्फ प्रधान (45) पुत्र शेरा अली की बहन की शादी पश्चिम बंगाल के कोलकाता कमरहट्टी में हुई है। इश्तखार अहमद के कोलकाता निवासी रिश्तेदार अख्तर अंसारी( 50), हकीमुन निशा (35), शाहजहां, सायना (07) पुत्री राजा,नूर अहमद पुत्र स्व. अली अकबर, रोशन आरा पत्नी शाहिद, साबरा खातून पत्नी अनवर अली, अफसाना खातून पत्नी नूर अहमद के साथ दो वर्ष, पांच वर्ष और आठ वर्ष की तीन बच्चियों के साथ शादी समारोह में भाग लेने के लिए पालपुर आए हुए थे। ये लोग निकाह समारोह में भाग लेने के बाद सभी एक बोलेरो में सवार होकर गुरुवार की देर शाम कोलकाता जाने के लिए सोनभद्र रेणुकूट ट्रेन पकड़ने के लिए निकले। वाहन इश्तखार अहमद उर्फ प्रधान खुद चला रहे थे। बोलेरो रात लगभग एक बजे जैसे ही नौगढ़-मधुपुर मार्ग पर जयमोहिनी पोस्ता गांव के पास पहुंची तो अचानक सामने से आए तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में चालक इश्तखार अहमद उर्फ प्रधान, अख्तर अंसारी, हकीमुन निशा और बच्ची सायना की मौत हो गई वहीं, नूर अहमद, रोशन आरा पत्नी शाहिद, साबरा खातून पत्नी अनवर अली, अफसाना खातून पत्नी नूर अहमद के साथ दो वर्ष, पांच वर्ष और आठ वर्ष की तीन बच्चियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे में बोलेरो वाहन के परखच्चे उड़ गए और सभी सवार अंदर फंस गए। घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक को छोड़ कर मौके से भाग निकला। सूचना पाकर पुलिस वहां पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाने के बाद शवों को कब्जे में ले लिया। नौगढ़ थाना प्रभारी ने बताया कि हादसे में चार लोगों की मौत हुई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। ट्रक चालक की तलाश की जा रही है। सभी घायलों को सोनभद्र जिला स्थित अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उधर,घटना की जानकारी पाते ही पालपुर गांव से मृतकों और घायलों के परिजन भी अस्पताल में पहुंच गए थे।

## बाराबंकी : प्रेमी ने की थी प्रेमिका के पिता की हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

बाराबंकी। बाराबंकी के जैदपुर में प्रेम प्रसंग के चलते प्रेमिका के पिता की हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है। अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश नारायण सिंह ने शुक्रवार को हत्या का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि जैदपुर थाना क्षेत्र के मुर्तजीपुर गांव के बाहर खेत में हाल ही में किसान कृष्णानंद उर्फ रामू वर्मा का शव पड़ा मिला था। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। मृतक के शरीर पर चोट और धारदार हथियार से हमले करने के निशान थे।

# सीएम योगी का निर्देश, 'जहां नदी के मेन स्ट्रीम में भरा हो सिल्ट, वहां ड्रेजिंग को दें प्राथमिकता'

**लखनऊ (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ समस्या के स्थायी समाधान के लिए नदी की स्थानीय परिस्थितियों के अध्ययन के निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को बाढ़ संबंधी परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए सीएम योगी ने कहा कि जहां कहीं नदी के मेन स्ट्रीम में सिल्ट की अधिकता हो, नदी उथली हो, वहां ड्रेजिंग को प्राथमिकता दी जाए और नदी को चैनलाइज किया जाए। यदि ड्रेजिंग से समाधान होना संभव न हो, तब ही तटबंध अथवा कटान निरोधी अन्य उपायों को अपनाया जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी नदियों के ड्रोन सर्वेक्षण कर स्थानीय परिस्थितियों के बारे में समुचित जानकारी प्राप्त कर ली जाए। शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बाढ़ प्रबंधन और जन-जीवन की सुरक्षा के दृष्टिगत जारी तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने बाढ़ की दृष्टि से अति संवेदनशील, संवेदनशील जिलों, पूर्ण और लंबित परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति की भी समीक्षा की।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में व्यापक जन-धन हानि के लिए दशकों तक कारक रही बाढ़ की समस्या के स्थायी निदान के लिए विगत आठ वर्षों में किए गए सुनियोजित प्रयासों के अच्छे परिणाम मिले हैं। बाढ़ की दृष्टि से अति संवेदनशील जिलों की संख्या में अभूतपूर्व कमी आई है। विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार, हमने आधुनिकतम तकनीक का प्रयोग कर बाढ़ से खतरे को न्यूनतम करने में सफलता पाई है। बाढ़ से जन-जीवन की सुरक्षा के लिए अंतर विभागीय समन्वय से अच्छा कार्य हुआ है।

बैठक में प्रमुख सचिव सिंचाई ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि जन-धन की सुरक्षा को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए 2018-19 से अब तक 1,575 बाढ़ परियोजनाएं पूरी की गईं। इसमें 305 परियोजनाएं अकेले वर्ष 2024-25 में पूरी की गई हैं। 2024-25 में हुए प्रयासों से 4.97 लाख हेक्टेयर भूमि और 60.45 लाख की आबादी को लाभ हुआ है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि वर्तमान सत्र के लिए तय की गईं परियोजनाओं का अवशेष कार्य प्राथमिकता के आधार पर नियत समय के भीतर पूरा करा लिया जाए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में देरी से न केवल कार्य प्रभावित होता है, बल्कि वित्तीय बजट भी बढ़ता है। ऐसे में सभी को निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाना चाहिए। किसी भी परियोजना का बजट पुनरीक्षण नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में बाढ़ की दृष्टि से 24 जनपद अति संवेदनशील श्रेणी में हैं। इसमें महाराजगंज, कुशीनगर, लखीमपुर खीरी, गोरखपुर, बस्ती, बहराइच, बिजनौर, सिद्धार्थनगर, गाजीपुर, गोण्डा, बलिया, देवरिया, सीतापुर, बलरामपुर, अयोध्या, मऊ, फर्रुखाबाद, श्रावस्ती, बदायूं, अंबेडकर नगर, आजमगढ़, संतकबीर नगर, पीलीभीत और बाराबंकी शामिल हैं। जबकि, सहारनपुर, शामली, अलीगढ़, बरेली, हमीरपुर, गौतमबुद्ध नगर, रामपुर, प्रयागराज, बुलंदशहर, मुरादाबाद, हरदोई, वाराणसी, उन्नाव, लखनऊ, शाहजहांपुर और कासगंज संवेदनशील प्रकृति के हैं। यहां विभाग को अलर्ट मोड में रहना होगा। अति संवेदनशील तथा संवेदनशील तटबंधों का वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जाए।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में बाढ़ से सुरक्षा के लिए विभिन्न नदियों पर 3,869 किमी लंबाई वाले 523 तटबंध निर्मित हैं, जबकि 60,047 किलोमीटर लंबाई के 10,727 ड्रेन हैं। बाढ़ की आशंका को देखते हुए सभी तटबंधों की सतत निगरानी की जाए। सभी ड्रेन की सफाई 31 मार्च के पहले करा ली जाए। राज्य स्तर और जिला स्तर पर बाढ़ राहत कंट्रोल रूम 24म7 एक्टिव मोड में रहें। श्रावस्ती, गोण्डा, सीतापुर, हरदोई एवं बाराबंकी में प्रस्तावित कार्यों को समय से गुणवत्ता के साथ पूरा कर लिया जाए। साथ ही नदियों में अवैध खनन की गतिविधि कहीं भी न हो सके, इसके लिए लगातार मॉनिटरिंग की जाती रहे।

## अयोध्या: राज्यपाल ने आरएमएल अवध विश्वविद्यालय का किया निरीक्षण

**लखनऊ (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या का भ्रमण कर वहां चल रही विभिन्न निर्माणाधीन परियोजनाओं और शैक्षणिक गतिविधियों का निरीक्षण किया।

उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों का वातावरण विद्यार्थियों के मानसिक एवं बौद्धिक विकास में सहायक होना चाहिए। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में प्रयोगशाला, नवीन परिसर, निर्माणाधीन इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी भवन, सरदार पटेल एकात्मता केंद्र, मल्टीपर्पस लेक्चर हॉल परिसर (प्रथम तल), निर्माणाधीन कुलपति आवास, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक एवं वित्त अधिकारी आवास एवं अन्य महत्वपूर्ण कार्यों का निरीक्षण किया।

उन्होंने समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर के सौंदर्यीकरण एवं स्वच्छता को लेकर भी अधिकारियों को निर्देशित किया और कहा कि शैक्षणिक संस्थानों का वातावरण विद्यार्थियों के मानसिक एवं बौद्धिक विकास में सहायक होना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि परिसर को हरित एवं स्वच्छ बनाए रखने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए। राज्यपाल ने विभिन्न कक्षाओं का दौरा किया और विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी शैक्षणिक प्रगति एवं अनुभवों के बारे में जानकारी ली।

उन्होंने विद्यार्थियों को सीमित संसाधनों में भी लगन, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि संघर्ष और मेहनत ही सफलता की कुंजी है। यदि छात्र कठिन परिश्रम एवं संकल्प के साथ अध्ययन करें तो वे अपने लक्ष्यों को अवश्य प्राप्त कर सकते हैं।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को गंभीरता से समझने का आह्वान किया और कहा कि आज का युवा ही भविष्य का नेतृत्वकर्ता है। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन को भी निर्देश दिया कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाएं।

## क्षमा तो कोई बड़ा दिल वाला ही मांगता है : अवधेश प्रसाद

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाकुंभ का हिस्सा बनने के लिए श्रद्धालुओं को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों में 'अगर कोई कमी रही तो जनता-जनार्दन का भी क्षमाप्रार्थी हूं'। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि भूल-चूक सबसे होती है। उन्होंने पीएम मोदी के बयान को उनका बड़प्पन बताया। अवधेश प्रसाद ने शुक्रवार को कहा कि संभल मस्जिद पर इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश को देखा नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। दोनों एक-दूसरे की तारीफ करते हैं, लेकिन जब जनता तारीफ करे, तब माना जाता है। क्षमा तो कोई बड़ा दिल वाला ही मांगता है। यह उनका बड़प्पन है। इसके लिए धन्यवाद देता हूं।

उल्लेखनीय है कि महाकुंभ के समापन पर प्रधानमंत्री ने एक ब्लॉग लिखा है। उन्होंने ब्लॉग में लिखा, 'यह महाकुंभ एकता का महाकुंभ था, जहां 140 करोड़ देशवासियों की आस्था एक साथ, एक समय में, इस एक पर्व से आकर जुड़ गई थी। महाकुंभ के दृश्यों को देखकर, बहुत शुरू से ही मेरे मन में जो भाव जगे, वे पिछले 45 दिन में और अधिक पुष्ट हुए हैं। राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य को लेकर मेरी आस्था, अनेक गुना मजबूत हुई है। प्रयागराज में 140 करोड़ देशवासियों ने जिस तरह एकता के महाकुंभ को आज के विश्व की एक महान पहचान बना दिया, वह अद्भुत है।' उन्होंने लिखा, 'मैं जानता हूं, इतना विशाल आयोजन आसान नहीं था। मैं प्रार्थना करता हूं, मां गंगा से, मां यमुना से, मां सरस्वती सेज्हे मां, हमारी आराधना में कुछ कमी रह गई हो तो क्षमा करिएगा। ज्श्रद्धालुओं की सेवा में भी अगर हमसे कुछ कमी रह गई हो, तो मैं जनता जनार्दन का भी क्षमाप्रार्थी हूं।'

## उत्तराखंड के चमोली में हिमस्खलन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीएम धामी से की बात

**लखनऊ (एजेंसी)।** उत्तराखंड के चमोली में माणा गांव के पास हुए हिमस्खलन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पैनी नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने इस संबंध में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, डीजी आईटीबीपी और डीजी एनडीआरएफ से फोन पर बात की। इसके साथ ही अमित शाह ने बताया कि हादसे में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना हमारी प्राथमिकता है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'उत्तराखंड के चमोली में ग्लेशियर फटने के संदर्भ में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, डीजी आईटीबीपी और डीजी एनडीआरएफ से बात की। हादसे में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना हमारी प्राथमिकता है। स्थानीय प्रशासन बचाव कार्यों में पूरी तत्परता से लगा हुआ है। एनडीआरएफ की दो टीमें भी जल्द ही घटना स्थल पर पहुंच रही हैं।'

इसके अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चमोली हादसे पर उत्तराखंड के सीएम धामी से फोन पर बात की। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, 'आज जोशीमठ (उत्तराखंड) के माणा क्षेत्र में दुर्भाग्यपूर्ण हिमस्खलन हुआ है, जिससे बीआरओ का जीआरईएफ कैंप प्रभावित हुआ है। स्थिति के बारे में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बात की। प्रशासन प्रभावितों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है। स्थानीय सेना इकाइयों द्वारा बचाव कार्य भी जारी है। सभी उपलब्ध संसाधनों का

उपयोग करके फंसे हुए कर्मियों को बचाने के सभी प्रयास किए जा रहे हैं।'

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने राज्य आपदा नियंत्रण कक्ष में राज्य के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने चमोली में माणा के पास हिमस्खलन की चपेट में आए मजदूरों को बचाने के लिए चल रहे अभियान की प्रगति की समीक्षा की। माणा गांव के करीब रोड बना रहे बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) के 57 मजदूर बर्फ में दब गए। अभी तक 16 मजदूरों को सुरक्षित बचा लिया गया है।

जानकारी के अनुसार, सभी मजदूर भारत-चीन सीमा के पास स्थित चमोली के माणा गांव के पास बीआरओ के निर्माण कार्य में लगे हुए थे। इसी दौरान अचानक ग्लेशियर टूट गया और वहां मौजूद 57 मजदूर इसकी चपेट में आ गए। बताया जा रहा है कि हादसे की सूचना मिलने के बाद एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, जिला प्रशासन, आईटीबीपी और बीआरओ की टीम मौके पर पहुंची। वहीं, बर्फ में दबे मजदूरों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

## महाकुंभ के पुण्य स्नान से वंचित प्रदेश की जनता को भी मिला त्रिवेणी के पवित्र जल से स्नान का अवसर

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ में इतिहास रचते हुए 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में पुण्य की डुबकी लगाई। इस पुण्य त्रिवेणी के जल की डुबकी से कोई छूट न जाए, सभी की आस्था और धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए योगी सरकार प्रदेश में किसी वजह से महाकुंभ न पहुंच सके लोगों के लिए भी त्रिवेणी के जल से पुण्य स्नान का नायाब अवसर दे रही है। योगी सरकार के निर्देश पर अग्नि शमन एवं आपात सेवा विभाग ने इसकी जिम्मेदारी संभाली है। प्रयागराज महाकुंभ का पुण्य लाभ प्राप्त करने के लिए देश और दुनिया भर से 66 करोड़ 33 लाख लोग त्रिवेणी के तट पर पहुंचे। इसके अलावा जेल में बंद बंदियों की आस्था और धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए भी पहली बार किसी सरकार ने उन्हें जेल के अंदर ही त्रिवेणी के पुण्य जल से स्नान का मौका दिया। प्रदेश की जेलों में बंद 90 हजार से अधिक कैदियों और बंदियों को इसका अवसर प्रदान करने की नायाब पहल के बाद प्रदेश में महाकुंभ आने से वंचित रह गए लोगों के लिए भी सरकार ने पुण्य अर्जित करने का अवसर दिया। इसकी शुरुआत शुक्रवार को त्रिवेणी संगम में अग्नि शमन एवं आपात सेवा विभाग की तरफ से हुई है। महाकुंभ के मुख्य अग्नि शमन अधिकारी प्रमोद शर्मा का कहना की शासन के निर्देश पर प्रदेश के 75 जिलों से महाकुंभ आई दमकल का पानी खाली कराकर संगम के पवित्र जल को इनमें भरकर संगम से सभी जिलों के लिए रवाना कर दिया गया है। इस पुण्य जल से महाकुंभ आने से वंचित रह गए लोग स्नान कर सकेंगे। यूपी के अग्निशमन तथा आपात सेवा ने प्रदेश के सभी 75 जनपदों में शुक्रवार से संगम का जल पहुंचाने की नायाब पहल की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को प्रयागराज पहुंचने पर निर्देश दिए थे कि जो लोग किन्हीं कारणों से महाकुंभ में स्नान करने नहीं आ पाए हैं, उनके लिए सरकार संगम का जल भिजवाएगी। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप अब अग्निशमन और आपात सेवा ने संगम का जल दमकल में भरकर सभी जनपद के लिए रवाना कर दिया है।

## योगी सरकार ने बागपत और कासगंज में मेडिकल कॉलेज के निर्माण को दी हरी झंडी

**लखनऊ (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार विस्तार दिया जा रहा है। वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज (ओडीओएम) के संकल्प को पूरा करने में जुटी योगी सरकार ने इस दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। इसी क्रम में योगी सरकार द्वारा बागपत और कासगंज में नए मेडिकल कॉलेजों के निर्माण को मंजूरी दी गई है, जिससे इन जनपदों के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

साथ ही हाथरस में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड के तहत मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की प्रक्रिया को भी हरी झंडी दी गई है। इसके अलावा बलरामपुर में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के सैटेलाइट सेंटर को मेडिकल कॉलेज के रूप में विकसित करने की योजना को भी स्वीकृति दी गई है।

योगी सरकार का संकल्प है कि उत्तर प्रदेश के हर जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जाए। इसी दिशा में बागपत, कासगंज और हाथरस में मेडिकल कॉलेजों की स्थापना बड़ा कदम है। सरकार ने इन परियोजनाओं को वायबिलिटी गैप फंडिंग के तहत मंजूरी दी है, जिससे सरकारी और निजी साझेदारी (पीपीपी मोड) के जरिए स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जाएगा।

स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार सीएम योगी की प्राथमिकता में है। इसी क्रम में हर जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना से न केवल स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ होंगी, बल्कि प्रदेश में मेडिकल एजुकेशन को भी नया आयाम मिलेगा। पिछले दिनों हुई बैठक में सीएम योगी ने कहा कि नए उत्तर प्रदेश की ओर हमारा यह मजबूत कदम है, जहां हर व्यक्ति को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिलेगी। सीएम ने अधिकारियों को समय से नए मेडिकल कॉलेज के निर्माण का काम पूरे करने के निर्देश दिए।

मेडिकल कॉलेजों की स्थापना को लेकर योगी सरकार के निर्णय से न केवल चिकित्सा सुविधाओं में सुधार होगा, बल्कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी प्राप्त होंगे। इन नए मेडिकल कॉलेजों से डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की संख्या में बढ़ोतरी होगी। इसके अलावा योगी सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि मेडिकल कॉलेजों में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, जिससे यहां के छात्र किसी भी अन्य बड़े मेडिकल संस्थान के मुकाबले बेहतरीन शिक्षा प्राप्त कर सकें।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मेडिकल कॉलेजों के निर्माण और संचालन में गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए। बैठक में सीएम ने बागपत, कासगंज और हाथरस में मेडिकल कॉलेजों के संचालन के लिए न्यूनतम निविदादाता के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। यह मेडिकल कॉलेज पीपीपी मोड पर स्थापित किए जाएंगे, जिसमें सरकारी सहयोग के साथ-साथ निजी क्षेत्र की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। इस मॉडल के तहत निजी निवेशकों को आकर्षित किया जाएगा, जिससे मेडिकल कॉलेजों का संचालन सुचारू रूप से हो सके और वहां विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जा सकें।

योगी सरकार ने बलरामपुर में केजीएमयू के सैटेलाइट सेंटर को मेडिकल कॉलेज के रूप में विकसित करने का भी निर्णय लिया है। यह पहल पूर्वांचल और आसपास के क्षेत्रों के लिए वरदान साबित होगी। इससे दूरदराज के मरीजों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाएं मिल सकेंगी। बलरामपुर मेडिकल कॉलेज के रूप में विकसित होने से न केवल स्थानीय नागरिकों को फायदा मिलेगा, बल्कि आसपास के जिलों के लोगों को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त होंगी।

मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि बलरामपुर में मेडिकल कॉलेज की स्थापना से हजारों लोगों को फायदा मिलेगा। इससे प्रदेश के चिकित्सा ढांचे को और मजबूती मिलेगी। साथ ही गरीब तबके को बेहतर इलाज उपलब्ध हो सकेगा।

# विजय सिंह पथिक जी का 144वां जन्मदिवस धूमधाम से मनाया गया

**फ्यूचर लाइन टाईम्स**

**गौतमबुद्धनगर :** ग्रेटर नोएडा स्थित विजय सिंह पथिक स्टेडियम में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के तत्वाधान में क्रांतिवीर, स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर पत्रकार, कवि और ओजस्वी वक्ता विजय सिंह पथिक जी का 144वां जन्मदिवस धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर यशवीर सिंह ने किया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री हरिश्चंद्र भाटी, राष्ट्रीय महासचिव रामशरण नागर एडवोकेट, कार्यक्रम संयोजक और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार नागर की विशेष भूमिका रही। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों और देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।

**प्रतियोगिताओं में बच्चों ने दिखाया जोश**

कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने दौड़, रस्साकशी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

**खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले हुए सम्मानित**

गुर्जर समाज के उन प्रतिभाशाली बच्चों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय स्तर की ताइक्वांडो खिलाड़ी और गोल्ड मेडलिस्ट कंगना कसाना को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

गुर्जर समाज के अधिकारियों और विशिष्ट जनों का सम्मान

गौतम बुद्ध नगर के बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार और धर्मवीर सिंह को पुष्प, शॉल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा समाज के कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ी।

**कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्ति**

इस आयोजन में दिनेश गुर्जर, जिले सिंह, शेर सिंह भाटी, इलम सिंह नागर, अजीत मुखिया, सुनील भाटी (कठेरा), अशोक भाटी, रामशरण नागर एडवोकेट, ममता भाटी, ज्योति सिंह, अनीता नागर, सविता गुर्जर, नूतन भाटी, मानवीर नागर, शिवम मावी, बलबीर आर्य और नीतीश नागर सहित कई विशिष्ट जनों ने भाग लिया।

यह भव्य आयोजन समाज की एकता, संस्कृति और गौरव को प्रकट करने वाला रहा, जिसमें समाज के युवाओं और बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

## डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिला सैनिक बंधु समिति की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

**फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतम बुद्ध नगर :** पूर्व सैनिकों की समस्याओं का निस्तारण कराने एवं शासन द्वारा सैनिकों के हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं का पात्र सैनिकों तक शत प्रतिशत लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से आज डीएम मनीष कुमार वर्मा ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सैनिक बन्धु समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए पूर्व सैनिकों की समस्याओं को सुना एवं मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पूर्व सैनिकों के सम्मुख आ रही समस्याओं को शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित कराने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। इस महत्वपूर्ण बैठक में पूर्व सैनिकों ने जिलाधिकारी को भूमि विकास, ग्राम की सड़कों की मरम्मत, जलभराव की समस्या, पुलिस, बैंक से ऋण, पेंशन, शिक्षा, आर्थिक अनुदान, रोजगार, स्वास्थ सेवाओं सम्बन्धी समस्या तथा अन्य समस्याओं से अवगत कराया, जिस पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि पूर्व सैनिकों की आज जो समस्या प्राप्त हुयी है,

उनका निस्तारण समयबद्धता के आधार पर करते हुये रिपोर्ट आगामी बैठक में प्रस्तुत करेंगे। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर संबंधित विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश शासन के द्वारा सैनिकों के हितार्थ जो जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है, उनका व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार करते हुए पात्र सैनिकों तक शत प्रतिशत लाभ पहुंचाने की कार्रवाई करें, ताकि जनपद का कोई भी पात्र सैनिक योजनाओं के लाभ से वंचित ना रहे। इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी गौतम बुद्ध नगर कर्नल कपिल कत्याल( अ0प्रा0), मेजर जनरल डीके सेन (अ0प्रा0) व सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों एवं पूर्व सैनिक कल्याण समिति के पदाधिकारियों व पूर्व सैनिकों के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

## प्रज्ञान पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का भव्य आयोजन

**फ्यूचर लाइन टाईम्स-जेवर।** प्रज्ञान पब्लिक स्कूल, जेवर में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस अत्यंत उत्साह और वैज्ञानिक चेतना के साथ मनाया गया।इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक डा. हरीश कुमार शर्मा एवं प्रधानाचार्या डा. दीप्ति शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही।विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रवीण कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षकगण विकास कुमार,लकी,शुभ सहित कक्षा 12वीं अ4 के छात्र-छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी की।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र छात्राओं में विज्ञान के प्रति रुचि जागृत करना और उनके तार्किक व विश्लेषणात्मक सोच को विकसित करना था।इस अवसर पर विभिन्न रोचक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियाँ प्रस्तुत की गयी। जिनमें बैटरी निर्माण की अवधारणा को समझते हुए इलेक्ट्रोकेमिकल सेल की संरचना और कार्यप्रणाली पर प्रयोग किया।विद्यार्थियों को तत्वों की आवर्त सारणी को सरल एवं प्रभावी ढंग से पढ़ने की तकनीक सिखाई गई, जिससे वे इसकी गूढ़ अवधारणाओं को सहजता से आत्मसात कर सकें।साथ ही सतह तनाव की अवधारणा को समझाने हेतु यह गतिविधि कराई गई, जिसमें छात्र- छात्राओं ने स्वयं प्रयोग कर वैज्ञानिक सिद्धांतों को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव किया।विद्यालय की प्रधानाचार्या डा. श्रीमती दीप्ति शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस केवल विज्ञान के आविष्कारों का उत्सव नहीं है, बल्कि यह वैज्ञानिक सोच और नवाचार को बढ़ावा देने का भी प्रतीक है।वहीं, विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रवीण कुमार ने विज्ञान के व्यावहारिक पक्ष पर जोर देते हुए कहा कि विज्ञान केवल पाठ्य पुस्तकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे प्रयोगों एवं अवलोकन के माध्यम से अनुभव करना आवश्यक है।विद्यालय के प्रबंधक डा. हरीश कुमार शर्मा ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में विद्यार्थियों को विज्ञान को अपने जीवन में आत्मसात करने की प्रेरणा दी और कहा कि नवाचार और खोज की प्रवृत्ति ही हमें भविष्य के वैज्ञानिक बनने की दिशा में अग्रसर करती है। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को उनकी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों के लिए सम्मानित किया गया।इस प्रकार राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का यह आयोजन छात्र-छात्राओं के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ, जिसने उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

## एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव ने किया पुष्पोत्सव 2025 का शुभारंभ

**फ्यूचर लाइन टाईम्स**

**नोएडा।** ग्रेटर नोएडा का सम्राट मिहिर भोज पार्क (सिटी पार्क) एक बार फिर बसंत ऋतु में रंग-बिरंगे फूलों की खूबसूरती से जगमगा उठा है। शुक्रवार को एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलित कर पुष्पोत्सव 2025 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस, उद्यानिकी विभाग के अधिकारीगण और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पुष्प प्रदर्शनी आज से 2 मार्च तक सभी के लिए खुली रहेगी, जहां आकर्षक फूलों की प्रदर्शनी देखने को मिलेगी। अपने संबोधन में एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रेटर नोएडा शहर किसानों की पुण्य भूमि पर बसा है, जहां उद्योगों को फलने फूलने का अवसर मिला है। इस वर्ष का पुष्पोत्सव का थीम गेंदा फूल (मैरीगोल्ड) है, जो सकारात्मक तथा शांति का प्रतीक है। उन्होंने सभी सम्मानित नागरिकों को इस पुष्प प्रदर्शनी में भाग लेकर इसे भव्य बनाने के लिए अपील की है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर विगत वर्षों

के भांति इस वर्ष भी पुष्पोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस के मार्गदर्शन में उद्यानिकी विभाग की टीम कई सप्ताह से इसकी तैयारियों में जुटी थी। सम्राट मिहिर भोज पार्क में लगभग 5 एकड़ में फूलों की विभिन्न प्रजातियां, खूबसूरत पुष्प डिजाइन, लैंडस्केपिंग और सजावट की गई है। पुष्पोत्सव के दौरान लाइव संगीत, नृत्य-कला, नुक्कड़ नाटक, फोटोग्राफी और पेंटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। तीनों दिन शाम 7 से 9 बजे तक विशेष लाइट एंड साउंड शो प्रस्तुत किया जाएगा। प्रदर्शनी के प्रमुख आकर्षणों में फूलों से बनी भगवान बुद्ध की प्रतिमा, इंडिया गेट का मॉडल तथा पशु-पक्षियों के फूलों से बने मॉडल शामिल हैं। पुष्प प्रदर्शनी में फूल, सजावटी पौधे, बीज, गमले और अन्य बागवानी उत्पादों की 65 से अधिक दुकानें लगाई गई हैं, जहां लोग अपनी पसंद के फूल और पौधे खरीद सकते हैं। इस आयोजन में हॉर्टिकल्चर से जुड़े विशेषज्ञ, संगठन, सोसाइटी और कंपनियां बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। कार्यक्रम के दौरान सिटी पार्क रात 9 बजे तक खुला रहेगा। प्रदर्शनी से संबंधित अधिक जानकारी के लिए 9205691109, 8800300036 नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है।

**2 मार्च डाइवर्जन लागू**

पुष्पोत्सव के दौरान ट्रैफिक पुलिस द्वारा विशेष यातायात प्रबंधन योजना लागू की गई है, जो शुक्रवार से 2 मार्च तक प्रभावी रहेगी। आगंतुकों से अनुरोध किया गया है कि वे निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग करें और ट्रैफिक पुलिस के निर्देशों का पालन करें।पुष्पोत्सव के शुभारंभ के अवसर पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अनेक उद्यान विभाग के प्रभारी निदेशक नथोली सिंह, सहायक निदेशक बुद्ध विलास, प्रबंधक पवन कुमार, सहायक प्रबंधक गौरव बघेल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

## विधायक ने विधानसभा में उठाया रजिस्ट्री का मुद्दा

**फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा।** नोएडा में बायर्स की रजिस्ट्री का मुद्दा विधानसभा सत्र के दौरान विधायक पंकज सिंह ने उठाया। उन्होंने कहा कि अमिताभ कांत की रिपोर्ट के बाद नोएडा में रजिस्ट्री हो रही है। लेकिन ऐसे बिल्डर जिनकी गलती की वजह से बायर्स को परेशानी हो रही है। भ्रष्टाचार में लिप्त हो, जिनकी वजह से गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार को परेशानी हो रही है। ऐसे बिल्डरों पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाए साथ ही रजिस्ट्री की प्रक्रिया को तेज किया जाए।

नोएडा में अब भी हजारों ऐसे फ्लैट बायर्स हैं जिनको घर का मालिकाना हक नहीं मिला है। इसकी वजह बिल्डर की ओर से अमिताभ कांत की रिपोर्ट के अनुसार 25 प्रतिशत पैसा जमा नहीं करना है। प्राधिकरण कई बार इन बिल्डरों को नोटिस जारी कर चुकी है। यही नहीं वित्तीय अनियमितताओं के लिए ईओडब्ल्यू दिल्ली को जांच के लिए आग्रह किया गया। बावजूद इसके बिल्डर सामने नहीं आ रहे।

**अब तक 2300 से ज्यादा रजिस्ट्री हुई**

प्राधिकरण ने बताया कि 57 बिल्डरों पर करीब 8273.78 हजार करोड़ रुपए बकाया था। अमिताभ कांत की सिफारिश के बाद इन बिल्डरों को 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2022 तक जीरो पीरियड का फायदा दिया गया। शासनादेश के तहत सहमति होने के बाद 60 दिन के अंदर कुल बकाए में से 25 प्रतिशत धनराशि बिल्डरों को जमा करनी थी। इसमें से 29 बिल्डरों ने 25 प्रतिशत पैसा जमा कर दिया है। अब तक बिल्डरों ने प्राधिकरण में करीब 600 करोड़ रुपए जमा कराए है। जिससे 2300 से ज्यादा की रजिस्ट्री हो चुकी है। हालांकि अब भी हजारों बायर्स फंसे हुए है।

## घूमने,खरीदारी,स्वादिष्ट व्यंजन और बच्चों के मनोरंजन का बेमिसाल संगम बना सरस मेला

**फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा।** केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के सहयोग से नोएडा हाट, सेक्टर-33ए में आयोजित 5वें सरस आजीविका मेले के आठवें दिन शुक्रवार को "एसएचजी के लिए प्रभावी बिक्री संचार रणनीति" विषय पर एक विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) से जुड़ी महिलाओं को उनके उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए प्रभावी संचार रणनीतियों के बारे में जानकारी दी गई।

**प्रोफेसर डॉ. सुभाष धूलिया ने दी महत्वपूर्ण जानकारी**

सत्र के मुख्य वक्ता और आईआईएमसी के प्रोफेसर डॉ. सुभाष धूलिया ने एसएचजी की महिलाओं को संचार के महत्व पर विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा, "बिक्री के लिए उत्पाद की गुणवत्ता के साथ-साथ संचार रणनीति भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। ग्राहकों के साथ आपका संवाद कैसा है, यह उन्हें खरीदारी के लिए प्रेरित करता है। भाषा से ज्यादा आपका मधुर व्यवहार और आत्मविश्वास मायने रखता है।डॉ. धूलिया ने यह भी बताया कि ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों में प्रभावी संचार के जरिए उत्पादों की बिक्री बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने महिलाओं को अपनी क्षेत्रीय भाषा में भी बेहतर

संवाद करने की सलाह दी, क्योंकि यह ग्राहकों को जोड़ने का एक प्रभावी तरीका है।

**राजेश्वरी एसएम ने दी विज्ञापन और प्रचार की सलाह**

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की निदेशक राजेश्वरी एसएम ने इस अवसर पर कहा कि एसएचजी की महिलाओं को अपने उत्पादों के प्रचार-प्रसार के लिए विज्ञापनों का सहारा लेना चाहिए। उन्होंने कहा, "आपको अपने उत्पादों की मार्केटिंग के लिए रचनात्मक तरीके अपनाने चाहिए। सरकार आपके बेहतर भविष्य और आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। हम चाहते हैं कि आप सभी कुशल उद्यमी बनें।"

**हथकरघा और साड़ियों की धूम**

मेले के आठवें दिन हथकरघा, साड़ी और ड्रेस मटेरियल से जुड़े उत्कृष्ट उत्पादों की खरीदारी ने लोगों का ध्यान खींचा। राजस्थान, गुजरात और छत्तीसगढ़ की बैड शीट्स खास आकर्षण का केंद्र रहीं। ये उत्पाद न केवल सुंदर हैं, बल्कि टिकाऊ और आरामदायक भी हैं। मेले में 400 से अधिक महिला शिल्पकारों ने अपनी हस्तकला और पारंपरिक कलाओं का प्रदर्शन किया। ये महिलाएं विभिन्न स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं और अपने कौशल के जरिए ग्रामीण संस्कृति को जीवंत कर रही हैं।

**इंडिया फूडकोर्ट का स्वादिष्ट आकर्षण**

मेले में इंडिया फूडकोर्ट विभिन्न राज्यों के स्वादिष्ट व्यंजनों के लिए भी लोकप्रिय रहा। फूडकोर्ट के कॉर्डिनेटर श्रेयेष कश्यप ने बताया कि हर राज्य का अपना अलग मेन्यू है और यहां स्वच्छता एवं पवित्रता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। महिलाओं ने पूरी मेहनत और लगन के साथ व्यंजन तैयार किए और परोसे।

**सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद**

मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी भरपूर आनंद लिया गया। आठवें दिन ऑर्ट ऑफ लिविंग के कलाकारों ने भजन संध्या की भक्तिमय प्रस्तुति से भगवान शिव का गुणगान किया। इससे पहले स्कूली बच्चों ने सामूहिक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया।

## जनपद न्यायालय परिसर गौतम बुद्ध नगर में स्थित दुकानों/व्यवसायिक स्थलों के लिए इच्छुक व्यक्ति कर सकते आवेदन

**फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतम बुद्ध नगर :** अध्यक्ष (नीलामी समिति)/अपर जनपद न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश, पोक्सो-प्रथम जनपद न्यायालय गौतम बुद्ध नगर विकास नागर ने बताया कि जनपद न्यायालय परिसर गौतम बुद्ध नगर में स्थित दुकानों/व्यवसायिक के लिए चिन्हित स्थानों पर पार्किंग/स्टैंड, कैंटीन-प्रथम, कैंटीन द्वितीय, फोटो स्टेट मशीन, कंप्यूटर टाईपिस्ट, फोटोग्राफर, स्टेशनरी शॉप, स्टांप वेंडर, फल एवं जूस के लिए इच्छुक व्यक्ति 10 मार्च 2025 सायं 04:00 बजे तक आवेदन जमा कर सकते हैं। उन्होंने आवेदन के संबंध में बताया कि इच्छुक व्यक्ति केंद्रीय नजारत जनपद न्यायालय गौतम बुद्ध नगर से निविदा फार्म 25 फरवरी 2025 से किसी भी कार्य दिवस में 08 मार्च 2025 सायं की 04:00 बजे तक नगद 1500/- रुपए वास्ते पार्किंग,1000/- रुपए वास्ते कैंटीन, 500/-रुपए वास्ते फोटोस्टेट मशीन एवं फोटोग्राफर, कंप्यूटर टाईपिस्ट, स्टेशनरी शॉप, फल एवं जूस तथा स्टांप वेंडर के लिए 200/-रुपए अदा कर प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि 10 मार्च 2025 की 4:00 बजे तक समस्त औपचारिकता पूर्ण कर मय पत्रताएं एवं शर्तें निविदा फार्म के साथ संलग्न कर केंद्रीय नजारत, जनपद न्यायालय गौतम बुद्ध नगर में जमा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि व्यवसायिक स्थलों हेतु प्राप्त निविदाएं जनपद न्यायालय परिसर में स्थित मीटिंग हॉल में 11 मार्च 2025 को 4:30 बजे नीलामी बोली हेतु खोली जाएगी।

## पुलिस की पाठशाला का हुआ कार्यक्रम

**फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा।** पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में एवं पुलिस उपायुक्त/अपर पुलिस उपायुक्त नोएडा के पर्यवेक्षण मे सहायक पुलिस आयुक्त प्रथम नोएडा प्रवीण कुमार सिंह द्वारा अमर उजाला की तरफ से आयोजित महर्षि विद्या मंदिर में पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। उनके द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा से लेकर शिक्षा के महत्व को बताया गया और समझाया गया कि वह सभी नियमों का पालन अवश्य करे जिससे भविष्य में वह सभी एक जिम्मेदार नागरिक बने सके। उनके द्वारा छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों व पुलिस कार्यप्रणाली के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई।

## खोड़ा तिराहे के पास बस की टक्कर से अधेड़ की जान गई

**फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा।** खोड़ा तिराहे के पास शुक्रवार सुबह तेज रफ्तार बस ने अधेड़ व्यक्ति को रौंद दिया। हादसे के बाद बस चालक भाग गया। सिर समेत शरीर के अन्य हिस्से में चोट लगने के कारण घायल की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-58 थाना प्रभारी ने बताया कि खोड़ा निवासी 50 वर्षीय रामप्रवेश खोड़ा तिराहे के पास पैदल जा रहे थे, तभी बस चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। उनको अस्पताल पहुंचाने की बजाय आरोपी चालक बस समेत भाग गया। उधर से गुजर रहे लोगों ने घायल को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने के चलते रामप्रवेश को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस आरोपी बस चालक की तलाश कर रही है।

## युवक समेत दो ने की आत्महत्या

**फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा।** अलग-अलग थानाक्षेत्र में दो लोगों ने आत्महत्या कर ली। दोनों के पास से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। सेक्टर 67 स्थित ट्रांसपोर्ट ऑफिस में काम करने वाले 22 वर्षीय सूरज ने अपने कार्यालय में ही शुक्रवार सुबह पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं सदरपुर कॉलोनी में रहने वाले 27 वर्षीय सन्नी चौहान ने गुरुवार को अपने घर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। उसे उपचार के लिए नोएडा के सेक्टर 29 स्थित भारद्वाज अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दोनों ही मामले में परिजनों ने पुलिस से शिकायत नहीं की है। पुलिस शिकायत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई करने की बात कह रही है।

## गांव की गलियों में कूड़ा उठाने के लिए 50 ई रिक्शे लगाए

**फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा।** गांवों की गलियों में घर-घर से कूड़ा नहीं उठ पा रहा था। ऐसे में लोगों को कूड़ा देने के लिए बाहर मुख्य रोड तक आना पड़ता था। इसको देखते हुए नोएडा प्राधिकरण के निर्देश पर कूड़ा लेने वाली एजेंसी ने 50 रिक्शे चलाने की शुरूआत की है। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को 10 कूड़ा उठाने वाली गाड़ियां और 50 रिक्शा लगा दिए गए। अधिकारियों का कहना है कि रिक्शे आने से अब कूड़ा कलेक्शन बेहतर होने की उम्मीद है। प्राधिकरण ने नोएडा एरिया के 71 गांव और शहरी क्षेत्र में घर-घर से कूड़ा उठाने का जिम्मा एजी एन्वयारो को दे रखा है। एजेंसी के कर्मचारी घरों से अलग-अलग पृथक कूड़ा लेने के बाद उसको तय स्थानों पर पहुंचाते हैं। कूड़ा उठाने से लेकर उसकी पूरी प्रक्रिया के कामकाज पर निगरानी का जिम्मा नोएडा प्राधिकरण का जन स्वास्थ्य विभाग करता है। जनस्वास्थ्य विभाग में खासतौर से महाप्रबंधक, दो वरिष्ठ प्रबंधक सहित अन्य अधिकारी संभालते हैं।

## चोरी की बाइक से लूटपाट करने वाला मुठभेड़ में घायल

**फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा।** सेक्टर-98 में गुरुवार रात चोरी की बाइक पर सवार होकर चेन और मोबाइल लूटने वाले गिरोह के दो बदमाशों की पुलिस से मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पैर में गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया, जबकि उसके साथी को घेराबंदी कर दबोचा गया। बदमाशों के पास से चोरी की बाइक, लूट के आठ मोबाइल, तमंचा और कारतूस समेत अन्य सामान बरामद हुआ। एडिशनल डीसीपी सुमित शुक्ता ने बताया कि सेक्टर-39 थाने की टीम गुरुवार रात साढ़े 12 बजे के करीब सेक्टर-44 के सामने चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एमिटी गोल चक्कर की तरफ से एक बाइक आई, जिस पर दो युवक सवार थे। संदिग्ध लगने पर पुलिस टीम ने दोनों को रुकने का इशारा किया तो उन्होंने भागने के लिए बाइक की गति बढ़ा दी। पीछा करने पर बाइक सवार बदमाशों ने सेक्टर-98 के पास पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया। उसका साथी मौके से फरार हो गया, जिसे करीब 20 मिनट बाद घेराबंदी कर दबोच लिया गया। घायल बदमाश की पहचान हरियाणा के फरीदाबाद निवासी विजय के रूप में हुई। उसके साथी की पहचान मोरना निवासी नौशाद उर्फ टोला के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक दोनों काले रंग की बाइक पर सवार होकर एक ही दिन में मोबाइल और चेन लूट की कई वारदात करते थे। पुलिस दोनों के अन्य साथियों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है। चोरी का मोबाइल खरीदने वाले लोगों के बारे में पता लगाया जा रहा है।

# तस्वीर की सियासत बनाम सियासत की तस्वीर ?

निर्मल रानी

**दिल्ली में 27 साल का वनवास खत्म कर भाजपा सत्ता में आई व भाजपा की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कार्यभार संभाला उस दिन उन्होंने सबसे पहले मुख्यमंत्री की कुर्सी के पीछे लगे अंबेडकर और भगत सिंह के चित्रों को हटाकर उनके स्थान पर राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी,प्रधानमंत्री तथा राष्ट्रपति के चित्र लगा दिए। जबकि पूर्व में लगे चित्रों को दूसरी दीवार पर स्थान दिया गया। इसी बात पर आम आदमी पार्टी ने हंगामा खड़ा करते हुये इसे राजनैतिक मुद्दा बना लिया।**

देश सरकारी कार्यालयों में प्रायः राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी,देश के राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के चित्र लगाये जाते हैं। जबकि राज्यों में इनके साथ मुख्यमंत्री व राजयपाल के चित्र भी लगाये जाते हैं। इस व्यवस्था को प्रोटोकॉल अथवा शिष्टाचार / नवाचार कहा जाता है। शीर्ष पदों पर बैठे लोग समय समय पर अपनी सुविधानुसार या किसी पूर्वाग्रह के चलते स्वेच्छा से इसमें बदलाव भी करते रहते हैं। उदाहरण के तौर पर आपको झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यालय में मुख्यमंत्री की कुर्सी के ठीक पीछे मुख्य रूप से केवल उनके पिता शिबू सुरेन का ही चित्र लगा मिलेगा। जाहिर है वे उन्हें ही अपना आदर्श नेता मानते हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के कार्यालय में राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के चित्र से आकार में भी बड़ा तथा बिल्कुल मध्य में गुरु गोरखनाथ का चित्र लगाया गया है। अनेक मुख्यमंत्रियों के कार्यालयों में उनकी अपनी पसंद के आधार पर चित्र लगाये गए हैं।

दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी जनवरी 2022 में गणतंत्र दिवस से एक दिन पूर्व दिल्ली के मुख्यमंत्री कार्यालय सहित राज्य के सभी सरकारी कार्यालयों में केवल बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह के चित्र लगाने के निर्देश जारी किये थे। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया था कि दिल्ली सरकार के सभी कार्यालयों में किसी अन्य नेता की तस्वीरें प्रदर्शित नहीं की जायें। तब से लेकर पिछले दिनों दिल्ली की सत्ता बदलने तक दिल्ली के मुख्यमंत्री कार्यालय से लेकर राज्य के अधिकांश कार्यालयों में महात्मा गाँधी, प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति की तस्वीर हटाकर बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह के चित्र लगा दिए गये थे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी कुर्सी के ठीक पीछे बाबासाहेब और भगत सिंह के चित्र लगाये थे जो उनके बाद आतिशी के मुख्यमंत्री काल में भी लगे रहे।

परन्तु जिस दिन दिल्ली में 27 साल का वनवास खत्म कर भाजपा सत्ता में आई व भाजपा की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कार्यभार संभाला उस दिन उन्होंने सबसे पहले मुख्यमंत्री की कुर्सी के पीछे लगे अंबेडकर और भगत सिंह के चित्रों को हटाकर उनके स्थान पर राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी,प्रधानमंत्री तथा राष्ट्रपति के चित्र लगा दिए। जबकि पूर्व में लगे चित्रों को दूसरी दीवार पर स्थान दिया गया। इसी बात पर आम आदमी पार्टी ने हंगामा खड़ा करते हुये इसे

राजनैतिक मुद्दा बना लिया। पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने तस्वीर हटाने पर कहा कि 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि दिल्ली विधानसभा का नेतृत्व ऐसी पार्टी कर रही है, जो दलित और सिख विरोधी है। भाजपा ने अपना दलित विरोधी रुख दिखाते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय से बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर और शहीद भगत सिंह के चित्र हटा दिए हैं।' परन्तु तस्वीरों पर सियासत करने वाली आप भी ऐसे सवालों से बच नहीं सकती। आम आदमी पार्टी नेताओं को भी यह बताना पड़ेगा कि उन्होंने अपने कार्यालय से राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की फोटो क्यों हटाई थी? यदि मान लिया जाये की नरेंद्र मोदी उनके घोर विरोधी नेता हैं परन्तु वे देश के प्रधानमंत्री भी हैं। मान लीजिये कि राजनैतिक पूर्वाग्रह के कारण उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चित्र नहीं लगाया परन्तु उन्होंने आखिर राष्ट्रपति का चित्र क्यों नहीं लगाया गया?

जहाँ तक सवाल है तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा मात्र चित्र लगाकर बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह को सम्मान दिये जाने का, तो यदि अरविंद केजरीवाल के वक्तव्यों पर नजर डालें तो केजरीवाल की बातें तो इन नेताओं के मूल विचारों के बिल्कुल विरुद्ध हैं। मिसाल के तौर पर अरविंद केजरीवाल ने 27 अक्टूबर 2022 को मुख्यमंत्री के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे एक पत्र के माध्यम से यह मांग की थी कि भारतीय नोटों पर गांधी जी के साथ-साथ लक्ष्मी-गणेश की तस्वीर भी छपे। उनका कहना था कि इससे देश की अर्थव्यवस्था को भगवान का आशीर्वाद मिलेगा। विघ्नहर्ता का आशीर्वाद होगा तो अर्थव्यवस्था सुधर जाएगी। इसलिए मेरी केंद्र सरकार से अपील है कि भारतीय करेंसी के ऊपर लक्ष्मी गणेश की तस्वीर छापें। क्या केजरीवाल का यह सुझाव बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह जैसे महापुरुषों के विचार सम्मत है? किसी का चित्र लगाने का अर्थ आखिर क्या होता है? केवल उस महापुरुष के समर्थकों या उनके समुदाय को खुश करना या उनके आदर्शों को मानना व उनपर चलना? बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह के जीवन की कौन सी शिक्षा है जिसने केजरीवाल को इस बात के लिये प्रेरित किया कि उन्होंने प्रधानमंत्री को उपरोक्त सलाह दे डाली। वह भी स्वयं एक शिक्षित व राजस्व सेवाओं के अधिकारी होने के बावजूद। हद तो यह है कि प्रधानमंत्री को यह पत्र लिखते समय केजरीवाल ने यह भी लिहा था कि यह देश के 130 करोड़ लोगों की इच्छा है कि भारतीय करेंसी पर एक ओर महात्मा गांधी व दूसरी ओर लक्ष्मी-गणेश जी की तस्वीर भी लगाई जाए। केजरीवाल ने 130 करोड़ लोगों का प्रतिनिधि होने के नाते नहीं बल्कि सही मायने में देश के बहुसंख्य समाज को वरगलाने के लिये ही तस्वीर की सियासत यह शगूफा छोड़ा था।

इसी तरह विधान सभा चुनावों की घोषणा से पूर्व दिसंबर 2024 में दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने एक और ऐसी ही चुनावी फुलझड़ी छोड़ते हुये यह घोषणा कर डाली कि आम आदमी पार्टी के चुनाव जीतने पर मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों को 18 हजार रुपए प्रति माह की सम्मान राशि दी जाएगी। केजरीवाल ने इसे पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना का नाम दिया। इस घोषणा की आलोचना करते हुये भाजपा ने उसी समय यह जवाब दिया था कि चुनावी हिंदू केजरीवाल ने मंदिर और गुरुद्वारों के बाहर शराब के ठेके खोले हैं और उनकी पूरी राजनीति हिंदू विरोधी रही है। यहाँ भी यही सवाल है कि क्या पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना की घोषणा बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह जैसे महापुरुषों की सोच के अनुरूप थी जिनके चित्र उन्होंने अपने कुर्सी के पीछे लगा रखे थे?

भाजपा भी इसी तरह गांधी व बाबासाहेब अंबेडकर व भगत सिंह जैसे आदर्श पुरुषों के केवल चित्र लगाकर या उनपर खास अवसरों पर माल्यार्पण कर उनके प्रति अपने आदर व सम्मान का दिखावा तो जरूर करती है परन्तु हकीकत में वह भी दिखावा मात्र ही है। अन्यथा घोर हिंदुत्ववादी राजनीति का गांधी व बाबासाहेब आंबेडकर व भगत सिंह जैसे महान देशभक्त मानवतावादी नेताओं से क्या लेना देना? यह तो धर्म और राजनीति के ऐसे घालमेल को ही विध्वंसक मानते थे। कहना गलत नहीं होगा की इसी तस्वीर की सियासत ने ही देश की सियासत की तस्वीर को बदनुमा कर डाला है जिसकी भरपाई महात्मा गांधी व बाबासाहेब , व भगत सिंह जैसे आदर्श पुरुषों के केवल चित्र लगाकर या उन की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर नहीं बल्कि केवल सच्चे मन से उनके बताये हुये रास्तों व उनके आदर्शों पर चलकर ही की जा सकती है?

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

## संपादकीय

### अधिकार क्षेत्र की बात

दोषी करार दिए गए नेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाने वाली याचिका का केंद्र सरकार ने विरोध किया है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में सरकार ने कहा आजीवन प्रतिबंध लगाना उपयुक्त होगा या नहीं, यह पूरी तरह संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है। केंद्र का कहना है, याचिका में जो अनुरोध किया गया है वह विधान को फिर से लिखने या संसद को विशेष तरीके से कानून बनाने का निर्देश देने सरीखा है। दागी नेताओं के बचाव में मोदी सरकार यूं ही नहीं नजर आ रही। उसके 39 फीसद मंत्री भी दागी हैं। 2009 की लोक सभा में केवल 30 फीसद दागी नेता थे, जबकि 2024 में यह बढ़कर 46 फीसद हो चुका है। 251 सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें भी 27 सांसदों को अदालतों द्वारा दोषी करार दिया जा चुका है। केरल, तेलंगाना, ओड़िसा के 95, 82, 76 फीसद दागी हैं तो झारखंड़, बिहार व बंगाल के 71, 53, 52 फीसद दागी सांसद हैं। उप्र, हिमाचल व महाराष्ट्र के आधे यानी 50 फीसद सांसद दोषी हैं। बहरहाल, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा8(1) के तहत अयोग्यता की अवधि दोषसिद्धि की तारीख से छह साल या कारावास के मामले में रिहाई की तारीख से छह साल है। शीर्ष अदालत के समक्ष आने वाले दोषी नेताओं के मसलों पर हमेशा यह सवाल खड़ा होता है। पारदर्शिता, भ्रष्टाचार मुक्ति व पक्षपात के खिलाफ बढ़-चढ़कर बोलने वाली मोदी सरकार दागियों को पार्टी में शामिल करने, उन्हें टिकट देने और मंत्री बनाने में तनिक हिचकती नहीं नजर आती। गंभीर मामलों के दोषियों को माननीय का चोला ओढ़ाने में सरकार की भूमिका स्पष्ट है। देश भर के राजनीतिक दलों का यही हाल है। यही कारण है, इस गंभीर बात पर कोई चीख-चिल्लाहट नहीं मचती। राजनीति में स्वच्छ छवि वालों का टोटा होता जा रहा है। हालांकि सिर्फ राजनीतिक कीचड़.उछालने के लिए छद्म आरोपों का भी कम इस्तेमाल नहीं किया जाता है। मगर त्वरित आरोपों को सुलझाने की व्यवस्था भी की जा सकती है। कानून बनाने वाले सम्मानियों का दोषमुक्त नजर आना बेहद जरूरी है। लोकतंत्र का अर्थ यह कदापि नहीं होना चाहिए कि सजायाफ्ताओं को देशवासी सम्मान देने को मजबूर हों। संसद का अधिकार क्षेत्र सर्वोपरि है मगर सांसदों के चरित्र और दोषमुक्त होने के प्रति जवाबदेही राजनीतिक दलों की होनी चाहिए।

### सूक्ति

शिक्षा किसी घड़े को भरने जैसा नहीं है यह तो अग्नि प्रज्वलित करने के समान है
- डब्ल्यू बी. बीट्स

बड़ा सोचे, जल्दी सोचे, आगे सोचे विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है
- धीरूभाई अंबानी

### चिंतन-मनन

### दीर्घजीवी होती है विनम्रता

एक साधु बहुत बूढ़े हो गए थे। उनके जीवन का आखिरी क्षण आ पहुंचा। आखिरी क्षणों में उन्होंने अपने शिष्यों और चेलों को पास बुलाया। जब सब उनके पास आ गए, तब उन्होंने अपना पोपला मुंह पूरा खोल दिया और शिष्यों से बोले- 'देखो, मेरे मुंह में कितने दांत बच गए हैं?' शिष्यों ने उनके मुंह की ओर देखा। कुछ टटोलते हुए वे लगभग एक स्वर में बोल उठे- 'महाराज आपका तो एक भी दांत शेष नहीं बचा। शायद कई वर्षों से आपका एक भी दांत नहीं है' साधु बोले-'देखो, मेरी जीभ तो बची हुई है' सबने उत्तर दिया- 'हां, आपकी जीभ अवश्य बची हुई है'

इस पर साधू ने कहा- 'पर यह हुआ कैसे? मेरे जन्म के समय जीभ थी और आज मैं यह चोला छोड़ रहा हूं तो भी यह जीभ बची हुई है। ये दांत पीछे पैदा हुए, ये जीभ से पहले कैसे विदा हो गए? इसका क्या कारण है, कभी सोचा?' शिष्यों ने उत्तर दिया-ह्यहमें मालूम नहीं। महाराज, आप ही बतलाइए' उस समय मृदु आवाज में संत ने समझाया - यही रहस्य बताने के लिए मैंने तुम सबको इस बेला में बुलाया है। इस जीभ में माधुर्य था, मृदुता थी और खुद भी कोमल थी, इसलिए वह आज भी मेरे पास है, परंतु मेरे दांतों में शुरू से ही कठोरता थी, इसलिए वे पीछे आकर भी पहले खत्म हो गए, अपनी कठोरता के कारण ही ये दीर्घजीवी नहीं हो सके। दीर्घजीवी होना चाहते हो तो कठोरता छोड़ो और विनम्रता सेखो।

# शून्य भेदभाव दिवसः शून्य भेदभाव अभियान मिसाल नहीं, मशाल बनें

ललित गर्ग

दुनिया में भेदभाव की ऊंची-ऊंची दीवारों पर अमानवीयता, छूआछूत, अन्याय, शोषण, उत्पीड़न के काले अध्याय लिखे हैं, इनके खिलाफ लड़ाई के लिए बहुआयामी, उदार एवं मानवीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो मूल कारणों एवं जड़ों पर प्रहार करते हुए सामाजिक-राजनैतिक मानदंडों को चुनौती दे और पहचान के विभिन्न आयामों में समावेशिता और समानता को बढ़ावा दे। भेदभाव के विभिन्न रूपों के बारे में जागरूकता और समझ को बढ़ावा देकर, हम सभी के लिए एक अधिक न्यायपूर्ण और समतापूर्ण दुनिया बनाने की दिशा में काम कर सकते हैं। इसी उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा प्रत्येक वर्ष 1 मार्च शून्य भेदभाव दिवस मनाया जाता है, जो कोई प्रतीकात्मक उत्सव नहीं है, बल्कि सीमाओं, संस्कृतियों और समुदायों के बीच समानता की एक शक्तिशाली घोषणा है, इसे मिसाल नहीं, मशाल बनाना होगा। यह निष्पक्षता, समानता और सभी के लिए सम्मान के लिए लड़ने की अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ता है। शून्य भेदभाव दिवस-2025 की थीम है ह्यहम एक साथ खड़े हैं।ह्ल इसके द्वारा जातिवाद, रंगवाद, नस्लवाद, भाषावाद आदि विषमता एवं विसंगतिमूलक व्यवस्थाओं एवं सोच की जड़े हिलाई गयी है। दुनियाभर में इस क्रांतिकारी अभियान का मुक्तभाव से स्वागत हो रहा है।

इक्कींसवी सदी का आदमी हवा में उड़ने लगा है, चांद पर चहलकदमी करने लगा है, ग्रह-नक्षत्रों की दुनिया में झांकने लगा है, यंत्र मानव का निर्माण करने लगा है, अपनी अधिकांश समस्याओं का समाधान कम्प्यूटर-कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) से पाने लगा है, लेकिन इंसान इंसान के बीच के भेदभाव को मिटाने की दिशा में अभी भी यथोचित सफलता नहीं मिली है। यही कारण है कि नस्लीय, लैंगिक, जातीय, भाषायी भेदभाव खड़े हैं। नस्लीय भेदभाव एक गहरा मुद्दा बना हुआ है जो अल्पसंख्यक समूहों को प्रभावित करता है। रूढ़िवादिता, पूर्वाग्रह और प्रणालीगत नस्लवाद असमान अवसरों, संसाधनों तक सीमित पहुंच और शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा में व्यापक असमानताओं का बड़ा कारण हैं। इसी तरह लैंगिक पूर्वाग्रह और रूढ़िवादिता भेदभाव को बढ़ावा देती है, जिससे महिलाओं को अक्सर वेतन में अंतर, सीमित करियर उन्नति और सामाजिक अपेक्षाओं का सामना करना पड़ता है जो उन्हें पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित कर देती हैं, जिससे उनकी स्वतंत्रता और क्षमता सीमित हो जाती है। उम्र के आधार पर भेदभाव युवा और बुजुर्ग दोनों को प्रभावित करता है। विभिन्न अध्ययनों और रिपोर्टों से वैश्विक स्तर पर संस्कृतियों एवं समाजों में भेदभाव के बारे में चिंताजनक आंकड़े मिलते है। भेदभाव के दुष्परिणाम व्यक्तिगत अनुभवों से कहीं आगे तक फैले हुए हैं, जो पूरे समुदाय को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। भेदभाव सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को बढ़ावा देता है, जिससे पीढ़ियों तक नुकसान का चक्र चलता रहता है। जैसे-जैसे शून्य भेदभाव दिवस आंदोलन ने गति पकड़ी, भेदभाव के खिलाफ लड़ाई में मील के पत्थर हासिल होते गए, जिससे अधिक समावेशी भविष्य की उम्मीद जगी है।

महात्मा गांधी ने भारत में भेदभाव, ऊंच-नीच, छूआछूत की अमानवीता को न केवल धोया, बल्कि एक अधिक समानता एवं समतापूर्ण आदर्श-समाज व्यवस्था की नींव रखी। अगर गांधी ने अछूतोद्धार आन्दोलन नहीं चलाया होता, उनके कल्याण के लिए संघर्ष नहीं किया होता, उनकी बस्ती मे उनके साथ जाकर नहीं रहे होते तो ये हरिजन आज हीन एवं दीन ही बने रहते। जब गांधी के गुजरात का प्रमुख शहर, हीरों का विश्वभर में निर्यात करने वाला सूरत गन्दगी से सड़कर ह्लप्लेगह्ल से जूझ रहा था, तब देश के सबसे बड़े प्रान्त उत्तर प्रदेश में आन्दोलनकारियों पर गोली चलाई गई। जिसने राजघाट में सोयी उस आत्मा को पीड़ा से भर दिया। गांधी ने एक मुट्ठी भर नमक उठाया और करोड़ों लोगों ने मुट्ठियां तान दी थीं। चर्खे पर खादी का धागा काता और विदेशी कपड़ों की होली हर चौराहे पर जला दी। ह्लकरो या मरोह्ल का नारा दिया और कितने ही वकील, डॉक्टर, अध्यापक, व्यापारी अपना पेशा छोड़कर मैदान में कूद पड़े। ऐसा चरित्र आज कहां? उनका व्यक्तित्व सुन्दर चमड़ी का नहीं था, उनकी छवि विदेशी कपड़ों से नहीं थी, उनके विचार आयात किए हुए नहीं थे। एक दुबला, पतला, लंगोटीधारी, जो भारत की धरती के लोगों के हृदय की भाषा बोलता था और इंसान इंसान को बांटने वाली हर दीवार को और हर भेदभाव को मिटाता चला गया। आज तो नेता समस्याओं को सड़ा रहे हैं-- समाधान नहीं दे रहे हैं। लोगों का विश्वास टूट रहा है।

भेदभाव के खिलाफ लड़ाई गांधी जैसे अनेक विश्व व्यक्तित्वों के अथक प्रयासों से प्रेरित हैं, जिनकी न्याय और समानता के प्रति प्रतिबद्धता ने वैश्विक मंच पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने सामाजिक मानदंडों को चुनौती देने, हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए आवाज उठाने और बदलाव को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसी ही एक प्रतिष्ठित हस्ती हैं नेल्सन मंडेला, जिनकी दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद को खत्म करने के लिए आजीवन प्रतिबद्धता उत्पीड़न के खिलाफ लचीलेपन का प्रतीक है। लड़कियों की शिक्षा के लिए निडर योद्धा मलाला यूसुफजई तालिबान द्वारा हत्या के प्रयास से बचने के बाद एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में उभरीं। सभी के लिए शिक्षा के प्रति मलाला के अटूट समर्पण और लैंगिक समानता के लिए उनके अथक प्रयास ने उन्हें 17 साल की उम्र में नोबेल शांति पुरस्कार दिलाया, जिससे वह इतिहास में सबसे कम उम्र की पुरस्कार प्राप्तकताओं में से एक बन गईं। हार्वे मिल्क ने पहले खुले तौर पर समलैंगिक सार्वजनिक अधिकारी के रूप में कैलिफोर्निया में समलैंगिकों के अधिकारों की व्यापक दृश्यता और स्वीकृति का मार्ग प्रशस्त किया। मिल्क की साहसी सक्रियता ने समलैंगिक अधिकार आंदोलन के शुरूआती चरणों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। रूथ बेडर गिन्सबर्ग, एक अग्रणी कानूनी विद्वान और सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश, ने अपना करियर लैंगिक भेदभाव से लड़ने के लिए समर्पित कर दिया। उनके अभूतपूर्व काम और ऐतिहासिक कानूनी फैसलों ने महिलाओं के अधिकारों को गहराई से प्रभावित किया है और कानूनी परिदृश्य को आकार देना जारी रखा है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर के नागरिक अधिकारों की खोज से लेकर मैल्कम एक्स की नस्लीय न्याय की वकालत और एम्मा गोंजालेज की बंदूक हिंसा के खिलाफ सक्रियता से लेकर ग्रेटा थनबर्ग की जलवायु न्याय की लड़ाई तक, प्रत्येक व्यक्ति ने एक स्थायी विरासत छोड़ी है।

शिक्षा और जागरूकता भेदभाव से निपटने की नींव बनाती है, जो समझ को बढ़ावा देने और गहराई से जड़ जमाए हुए पूर्वाग्रहों को खत्म करने में महत्वपूर्ण है। समाज विभिन्न शैक्षिक स्तरों पर समावेशी पाठ्यक्रम को एकीकृत करके रूढ़िवादिता को चुनौती दे सकता है और सहानुभूति को बढ़ावा दे सकता है। भेदभाव से निपटने के लिए कानूनी और नीतिगत विकास महत्वपूर्ण प्रगति के साथ अधिक समावेशी समाज बनाने के लिए वैश्विक प्रतिबद्धता को दशार्ता है। दुनिया भर की सरकारें और संगठन व्यक्तियों को भेदभाव से बचाने के लिए मजबूत कानून की आवश्यकता को महसूस करते हैं। हाल के वर्षों में हाशिए पर पड़े समूहों की सुरक्षा और समान अवसरों को बढ़ावा देने वाले प्रभावशाली कानून की ओर बदलाव देखा गया है। ये कानून विविधता, निष्पक्ष व्यवहार और भेदभाव को बनाए रखने वाली प्रणालीगत बाधाओं को तोड़ने के महत्व पर जोर देते हैं। भेदभाव के खिलाफ प्रगति के बावजूद, एक संतुलित, समानता एवं समतापूर्ण समाज-निर्माण में महत्वपूर्ण चुनौतियाँ बनी हुई हैं।

# ईवीएमः विवाद का निपटारा हो जाना चाहिए

रजनीश कपूर

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने पिछले दिनों एक बयान देकर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि 'चुनाव के लिए सबसे सुरक्षित माध्यम बैलट पेपर ही है।' ट्रंप ने टेक्नोलॉजी दिग्गज एलन मस्क के साथ हुई बातचीत का हवाला देते हुए कहा कि मस्क का भी यही मानना है कि 'कंप्यूटर वोटिंग के लिए नहीं है।' ट्रंप के बैलेट पेपर के समर्थन के बयान पर भारत में करीब सभी विपक्षी दलों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। कांग्रेस लंबे समय से बैलेट पेपर की वापसी की मांग कर रही है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल लगातार ईवीएम से चुनाव में हेरफेर का आरोप लगाते रहे हैं। ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति के बयान ने तो आग में घी डालने का काम किया है।

जब भी कभी देश में चुनाव होते हैं तो ईवीएम फिर से चर्चा में जरूर आती है। चुनाव के बाद सत्ता परिवर्तन होगा या नहीं होगा यह तो नतीजों के बाद ही पता चलता है। परंतु बीते कुछ चुनावों में यह देखा गया है कि इलाक्रेकी जनता की नाराजगी के बावजूद वहां के मौजूदा विधायक या सांसद ने पिछले चुनावों के मुकाबले काफी अधिक संख्या से जीत हासिल की। ऐसे में चुनावी मशीनरी पर सवाल खड़े होना जाहिर सी बात है। जो भी नेता हारता है वो ईवीएम या चुनावी मशीनरी को दोषी ठहराता है। ऐसा नहीं है कि किसी एक दल के नेता ही ईवीएम की गड़बड़ी या उससे छेड़-छाड़ का आरोप लगाते आए हैं। इस बात के अनेकों उदाहरण हैं जहां हर प्रमुख दलों के नेताओं ने कई चुनावों के बाद ईवीएम में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। चुनाव आयोग की बात करें तो वो इन आरोपों का शुरू से ही खंडन कर रहा है। आयोग के अनुसार ईवीएम में गड़बड़ी की कोई गुंजाइश ही नहीं है। 1998 में दिल्ली, राजस्थान और मध्य प्रदेश के विधान सभा की कुछ सीटों पर ईवीएम का इस्तेमाल हुआ थाङ्क परंतु 2004 के आम चुनाव में पहली बार हर संसदीय क्षेत्र में ईवीएम का पूरी तरह से इस्तेमाल हुआ। 2009 के चुनावी नतीजों के बाद इसमें गड़बड़ी का आरोप भाजपा द्वारा लगा। गौरतलब है कि दुनिया के 31 देशों में ईवीएम का इस्तेमाल हुआ परंतु खास बात यह है कि अधिकतर देशों ने इसमें गड़बड़ी कि शिकायत के बाद वापस बैलट पेपर के जरिये ही चुनाव किए जाने लगे। किसी भी समस्या की शिकायत करने से उसका हल नहीं खोजा जाता, मगर जब शिकायत के साथ समाधान का सुझाव भी दिया जाए तो उस पर गौर करना चाहिए। 2023 में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता दिग्विजय सिंह ने विधान सभा चुनाव में ईवीएम की गड़बड़ी पर आरोप लगाए और उन्हें रोकने के लिए सुझाव भी दिया। उन्होंने केंद्रीय चुनाव आयोग को सुझाव दिया कि यदि ईवीएम से निकलने वाली पर्ची को मतदाता को दे दिया जाए और इन पर्चियों को अलग से रखी मतपेटी में डाल दिया जाए। तो न सिर्फ मतदाता को इस बात की संतुष्टि हो जाएगी कि उसके द्वार चुने गए उम्मीदवार को ही उसका वोट मिला। मशीनों से किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं हुई। इसके साथ ही मतगणना के पहले ऐसी किसी भी दस पेटियों के वोट गिन लिए जाएं और बाद में उनका मिलान काउंटिंग यूनिट के साथ कर लिया जाए। यदि नतीजे मेल खाते हैं तो काउंटिंग यूनिट के नतीजे को घोषित कर दिया जाए। सिंह के इस सुझाव पर सोशल मीडिया पर हजारों प्रतिक्रियाएं आई और अधिकतर लोगों ने इस सुझाव को व्यावहारिक माना है। जब भी कभी कोई प्रतियोगिता होती है तो उसका संचालन करने वाले शक के घेरे में न आएं इसलिए उस प्रतियोगिता के हर कृत्य को सार्वजनिक रूप से किया जाता है। आयोजक इस बात पर खास ध्यान देते हैं कि उन पर पक्षपात का आरोप न लगे। इसीलिए जब भी कभी आयोजकों को कोई सुझाव दिए जाते हैं तो यदि वे उन्हें सही लगें तो उसे स्वीकार लेते हैं।

ऐसे में उन पर पक्षपात का आरोप नहीं लगता। ठीक उसी तरह एक स्वस्थ लोकतंत्र में होने वाली सबसे बड़ी प्रतियोगिता चुनाव हैं। उसके आयोजक यानी चुनाव आयोग को उन सभी सुझावों को खुले दिमाग से और निष्पक्षता से लेना चाहिए। चुनाव आयोग एक संविधानिक संस्था है, इसे किसी भी दल या सरकार के प्रति पक्षपात होता दिखाई नहीं देना चाहिए। यदि

चुनाव आयोग ऐसे सुझावों को जनहित में लेती है तो मतदाताओं के बीच भी एक सही संदेश जाएगा, कि चाहे ईवीएम पर गड़बड़ियों के आरोप लगें पर चुनाव आयोग किसी भी दल के साथ पक्षपात नहीं करता। जहां तक ईवीएम पर एक बार फिर से खड़े हुए विवाद की बात है तो सभी राजनैतिक दलों को इस बात को गंभीरता से लेना चाहिए। सभी दलों को एकजुट हो कर अमेरिकी राष्ट्रपति के ताजा बयान के चलते चुनाव आयोग के पास एक प्रस्ताव लेकर जाना चाहिए और विधान सभा चुनाव में ईवीएम के बजाय बैलट पेपर से चुनाव की मांग करनी चाहिए। यदि यह संभव न हो और चुनाव आयोग को ईवीएम की गुणवत्ता और उसकी कार्य पद्धति पर पूरा विभास है तो उसे दिग्विजय सिंह के सुझाव पर एक प्रयोग करा लेना चाहिए। इससे भारत जैसे मजबूत लोकतंत्र को और मजबूती भी मिलेगी।

## गांजा की तस्करी में एक गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 21.140 किलोग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान नरेला निवासी अरबाज के रूप में हुई है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी सतीश कुमार ने शुक्रवार को बताया कि दिल्ली के इलाकों में ड्रग तस्करी के खिलाफ पुलिस का लगातार अभियान चल रहा है। डीसीपी के अनुसार क्राइम ब्रांच की टीम को सूचना मिली थी कि एक युवक ड्रग्स की तस्करी करने के लिए द्वारका जिले के दिचाऊं कलां में आने वाला है। सूचना को पुख्ता कर क्राइम ब्रांच की टीम ने इलाके में जाल बिछाया। गुरुवार शाम करीब 6:00 दिचाऊं कलां के पास पुलिस ने एक संदिग्ध को देखा। पुलिस ने युवक को रोककर उसकी तलाशी ली तो उसके बैग से 21.140 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। जांच में पता चला कि अरबाज दिल्ली के नरेला का रहने वाला है। उसने चौथी कक्षा तक पढ़ाई की है। आगे पूछताछ में आरोपित ने खुलासा किया कि आसानी से पैसे कमाने के लिए वह अपने इलाके में गांजा की तस्करी करने लगा। जांच में पता चला है कि आरोपित अरबाज ड्रग्स तस्करी के मामले में 2022 में गिरफ्तार हुआ था। कुछ समय पहले ही वह जेल से रिहा हुआ। जेल से रिहा होने के बाद वह दोबारा तस्करी करने लगा। डीसीपी के अनुसार आरोपित ओडिशा से गांजा खरीद कर दिल्ली के विभिन्न इलाकों में सप्लाई करता था।

## पुलिस ने तीन बदमाशों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली । पश्चिमी जिला पुलिस ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपितों पर 48 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। पश्चिमी जिले की एडिशनल डीसीपी सृष्टि पांडेय ने शुक्रवार को बताया कि आरोपितों की पहचान कुलजीत उर्फ टिकलू, पंकज उर्फ नोनू व अभिषेक के रूप में हुई है। इनके कब्जे से विभिन्न वारदात में इस्तेमाल चार दोपहिया वाहन व चार मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। पुलिस इनसे पूछताछ कर अन्य मामलों का खुलासा करने की कोशिश कर रही है। पुलिस के मुताबिक बुधवार को तिलक विहार इलाके में पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध व्यक्ति को चोरी की स्कूटी के साथ पकड़ा। वह मनोहर नगर गुरुद्वारा की ओर जा रहा था। पूछताछ में उसकी पहचान कुलजीत उर्फ टिकलू के रूप में हुई। उसकी निशानदेही पर सीआरपीएफ कैंप सर्विस रोड से एक अन्य स्कूटी बरामद कर ली गई। जांच में कुलजीत पर कुल 17 आपराधिक मामले दर्ज मिले हैं। एएटीएस टीम ने बुधवार को अन्य दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। टीम ने शाम करीब 07.40 बजे गुप्त सूचना के आधार पर शिवाजी पार्क मेट्रो स्टेशन के पास से दोनों को दबोचा। इनकी पहचान पंकज उर्फ नोनू और अभिषेक के रूप में हुई। उनकी तलाशी लेने पर चोरी के चार मोबाइल फोन बरामद हुए। इसके अलावा एक अन्य दोपहिया बरामद किया गया। जांच में पता चला कि पंकज उर्फ नोनू पर 29 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

## परिजनों ने इंस्टाग्राम चलाने से रोका तो घर से चले गए नाबालिग भाई-बहन, पुलिस ने परिवार से मिलवाया

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) ने सागरपुर इलाके से लापता दो बच्चों को खोज कर परिवार से मिलवाया है। जांच में पता चला है कि घरवालों द्वारा हर समय इंस्टाग्राम चलाने से मना करने पर नाबालिग भाई बहन घर से निकल गए थे। पुलिस ने दोनों को परिजनों को सौंप दिया है। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि 25 फरवरी को सागरपुर थाने में परिजनों ने नाबालिग भाई बहन के लापता होने की शिकायत दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों बच्चों की तलाश शुरू की। लापता बच्चों का पता लगाने के लिए एएचटीयू के इंस्पेक्टर बलवीर सिंह व एसआई शिल्पी आदि पुलिसकर्मियों की टीम बनाई गई। डीसीपी के अनुसार पुलिस ने विभिन्न इलाकों में जाकर बच्चों की फोटो की मदद से उनकी तलाश की। पुलिस को दो दिन बाद उस वक्त सफलता मिली, जब दोनों बच्चों को बदरपुर इलाके से ढूंढ निकाला गया। पूछताछ में पता चला कि परिजन उन्हें इंस्टाग्राम चलाने से रोकते थे। इससे नाराज होकर दोनों एक दोस्त के यहां चले गए थे।

## स्कूटी सवार बदमाशों ने चलाई गोली

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले के भजनपुरा इलाके में गुरुवार देर रात स्कूटी सवार बदमाशों ने एक युवक घर के बाहर गोलीबारी की। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। हालांकि इस गोलीबारी में कोई हताहत नहीं हुआ है। युवक की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी में स्कूटी सवार दो युवक गोलीबारी करते हुए दिख रहे हैं। फिलहाल पुलिस जेल में बंद बदमाशों से भी पूछताछ करेगी। पुलिस के मुताबिक गुरुवार देर रात भजनपुरा इलाके में एक युवक के घर पर गोलीबारी की सूचना पुलिस को मिली। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस को चार कारतूस के खाली खोल मिले। पुलिस ने आस पास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच की। इसमें पुलिस ने स्कूटी से आए दो युवकों को गोली चलाते हुए देखा। फिलहाल पुलिस आरोपितों की पहचान करने में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है कि आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद ही पता चल पाएगा कि उन्होंने गोली क्यों और किसके कहने पर चलाई।

## चोरी के मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को दबोचा

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी जिले के मुखर्जी नगर इलाके में लाखों के आभूषण की चोरी के मामले में पुलिस ने एक चोर व रिसीवर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित को फेस रिकग्निशन सिस्टम (एफआरएस) की मदद से दबोचा है। इनकी पहचान दिल्ली के गोपालपुर निवासी इमरान और रिसीवर सचिन वर्मा के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से पौने छह लाख नकद और चोरी के टूटे हीरे और मोती के आभूषण बरामद किए हैं। उत्तर पश्चिमी जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने शुक्रवार को बताया कि मुखर्जी नगर थाना पुलिस को 16 फरवरी को चोरी की एक शिकायत मिली। शिकायतकर्ता नवीन कुमार चोपड़ा ने पुलिस को बताया कि किसी ने उनके घर का ताला तोड़कर लाखों की नकदी व सोने के आभूषण चोरी किए हैं।

# सांसद मनोज तिवारी ने भाजपा विधायकों के साथ किया यमुना घाट का दौरा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उत्तर पूर्वी दिल्ली से सांसद मनोज तिवारी ने भाजपा विधायकों के साथ शुक्रवार को दिल्ली के सोनिया विहार के यमुना घाट का दौरा किया। उन्होंने इस दौरान यमुना सफाई के संबंध में अधिकारियों से बातचीत की।

सांसद मनोज तिवारी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए कहा कि आज सोनिया विहार दूसरा पुस्ता यमुना घाट का अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया गया। यमुना रिवर फ्रंट का निर्माण एवं सौंदर्यीकरण किया जाएगा, जिससे घाट को और भव्य स्वरूप दिया जा सके। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में आरती, पूजन व सफाई व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने की योजना बनाई गई है।

मनोज तिवारी ने कहा कि चुनाव के समय भाजपा ने दिल्ली की जनता से यमुना रिवर फ्रंट बनाने का वादा किया था। यमुना नदी को दिल्ली की पहचान बनाने को भी कहा था। उन्होंने कहा कि भाजपा जल्द ही सोनिया विहार क्षेत्र का सौंदर्यीकरण करेगी ताकि यहां रहने वाले नागरिकों को यमुना नदी के किनारे आने की सुविधा मिल सके और उनका जीवन बेहतर हो।

तिवारी ने बताया कि जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह यहां प्रचार के लिए आए थे, तब उन्होंने यमुना की सफाई को लेकर के चिंता जताई थी। भाजपा इस परियोजना को जल्द ही पूरा करने के लिए कामों में जुट गई है।

इस दौरान करावल नगर से विधायक कपिल मिश्रा, जिला अध्यक्ष पूनम चौहान, निगम पार्षद अनुपम पांडे और बृजेश सिंह मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि यमुना की सफाई का कार्य भाजपा के घोषणा पत्र में सबसे अहम था। भाजपा ने दिल्ली की जनता से यमुना रिवर फ्रंट बनाने का वादा किया था।

## 'उजागर होगा केजरीवाल का भ्रष्टाचार, इस जन्म में वह तिहाड़ से बाहर नहीं आ पाएंगे', 'आप' प्रमुख पर प्रवेश वर्मा का तंज

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा ने आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है कि केजरीवाल के नेतृत्व में हुए सभी कथित घोटालों की गहन जांच की जाएगी। वर्मा ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि केजरीवाल का भ्रष्टाचार उजागर हो जाएगा और मुझे नहीं लगता कि वह इस जन्म में तिहाड़ जेल से बाहर आ पाएंगे।÷ उनकी टिप्पणी राष्ट्रीय राजधानी में पिछली आप सरकार के खिलाफ दिल्ली विधानसभा में पेश की जा रही सीएजी रिपोर्ट के बीच आई है।

एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए, वर्मा ने कहा कि हालांकि दिल्ली एक पूर्ण राज्य नहीं है, लेकिन यह शासन के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में, हम दिल्ली का विकास करेंगे और इसे पूर्ण राज्य बनाएंगे। पिछली सरकार ने दिल्ली को लंदन जैसा बनाने का वादा किया था, लेकिन उन्होंने स्कूलों, मंदिरों के बाहर और यहां तक कि शीश महल के अंदर भी शराब की दुकानें खोल दीं। उन्होंने शानदार कार्यालय बनाए, लेकिन किसी को भी प्रवेश की अनुमति नहीं थी।

वर्मा ने केजरीवाल पर राजनीतिक लाभ के लिए अपने माता-पिता का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व सीएम ने सिर्फ वोट हासिल करने के लिए चलने में सक्षम होने के बावजूद उनके पिता को व्हीलचेयर पर बैठाया। उन्होंने दावा किया कि चुनाव से ठीक दो महीने पहले, केजरीवाल ने दिल्ली को जाति के आधार पर विभाजित कर दिया - जाट, बनिया। जब मैंने बंगाली कैंप का दौरा किया, तो मोनी दास नाम की एक विधवा ने मुझे बताया कि उनके दोनों बेटे उनकी शराब नीति के कारण मर गए। ऐसे कई उदाहरण हैं। स्थानों का नाम बदलने पर, वर्मा ने स्पष्ट किया कि हालांकि यह एकमात्र प्राथमिकता नहीं है, लेकिन सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए यह आवश्यक है।

# नेता प्रतिपक्ष के साथ आआपा विधायकों ने दूसरे दिन भी विधानसभा के बाहर किया प्रदर्शन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी और आम आदमी पार्टी (आआपा) के विधायकों ने लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भी दिल्ली विधानसभा परिसर के बाहर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि क्या जय भीम का नारा लगाना अपराध है।

आतिशी ने आज सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में भारतीय जनता पार्टी की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि आज दूसरे दिन भी आम आदमी पार्टी के विधायकों को पुलिस बल तैनात कर विधानसभा परिसर में जाने से रोका गया। उन्होंने कहा कि आआपा का विधायक दल इस तानाशाही के विरोध में राष्ट्रपति भवन जाने लगा तो सड़कों पर रोक दिया गया।

आतिशी ने सवालिया लहजे में कहा कि क्या अब इस देश में 'जय भीम' बोलना अपराध है? भाजपा बाबा साहेब से इतनी नफ़रत क्यों करती है? आतिशी ने कहा कि भाजपा को लगता है कि देश लोकतंत्र और संविधान से नहीं तानाशाही से चलता है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।

# दिल्ली हाई कोर्ट ने महाराजा करणी सिंह के उत्तराधिकारी की याचिका की खारिज, केंद्र से की थी बकाए की मांग

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली हाई कोर्ट ने बीकानेर हाउस का बकाया किराया चुकाने की मांग वाली महाराजा करणी सिंह के उत्तराधिकारी की याचिका ने खारिज कर दी। दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस सचिन दत्ता की पीठ ने महाराजा डॉ. करणी सिंह के उत्तराधिकारी द्वारा दाखिल याचिका को सही नहीं मनाते हुए खारिज कर दिया। दिल्ली हाई कोर्ट ने इस मामले में महाराजा करणी सिंह की बेटी द्वारा दिए गए दलीलों को सिरे से खारिज कर दिया। दिल्ली हाई कोर्ट में याचिकाकर्ता बीकानेर हाउस की संपत्ति पर कोई कानूनी अधिकार स्थापित करने में विफल रहीं।

दरअसल जनवरी में दिल्ली हाई कोर्ट ने इस मामले में सभी पक्षों की दलीले सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। दिल्ली हाई कोर्ट में दाखिल याचिका में केंद्र सरकार से बीकानेर हाउस पर बकाया किराया चुकाने की मांग की गई थी। दिल्ली हाई कोर्ट में दायर अर्जी में केंद्र से उस समय के किराए के बकाया पैसों के भुगतान के दावे की बात कही गयी थी, जब उन्होंने दिल्ली में बीकानेर हाउस पर कब्जा कर लिया था। उत्तराधिकारियों ने साल 1991 के बीच बकाया किराए के भुगतान की मांग की थी। जब केंद्र सरकार ने कथित तौर पर 1951 के समझौते के तहत बकाया किराए का भुगतान करना बंद कर दिया था और 2014 में जब उसने बीकानेर हाउस खाली कर दिया था।

### दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा- कानूनी अधिकार नहीं कर पाई साबित

दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा इस मामले से जुड़ी संपत्ति पर अपना अधिकार साबित करने में असफल रही वहीं याचिकाकर्ता ने जिस बकाया किराए को चुकाने की मांग की थी उसे पर भी अपना कानूनी अधिकार साबित करने के मामले में कोई दस्तावेज नहीं दे पाई। भारतीय डोमिनियन में रियासतों का एकीकरण 1947 से 1950 के बीच हुआ। सरदार वल्लभभाई पटेल और वी.पी. मेनन के प्रयासों से 560 से अधिक रियासतों का भारत में विलय किया गया। केंद्र सरकार ने 1950 में राजस्थान सरकार और महाराजा करणी सिंह से बीकानेर हाउस को पट्टे पर ले लिया था। हालांकि उसे समय के नियमों के मुताबिक जो भी किराया मिलता था उसका 67त्न राजस्थान सरकार को किया जाना था, वहीं इनमें से 33 त्न को महाराजा करणी सिंह को आवंटित किया गया था।

# बाहरी जिले में पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार किया तेज, 49 आरोपी गिरफ्तार, अवैध शराब और कैश जब्त

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बाहरी जिले की पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ अपनी मुहिम को और तेज़ करते हुए 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत महा शिवरात्रि के दिन 26 फरवरी 2025 (बुधवार) को एक बड़ा अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने अवैध शराब और जुए के खिलाफ कई छापेमारी अभियान चलाए, जिनमें 30 केस दर्ज कर 49 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, साथ ही भारी मात्रा में अवैध शराब, वाहन एवं जुए में दांव पर लगी नकदी जब्त की गई।

डीसीपी सचिन शर्मा के नेतृत्व में इस अभियान को अंजाम दिया गया, जिसमें पेट्रोलिंग, छापेमारी और पिकेट चेकिंग जैसी रणनीतियों का उपयोग किया गया। इसके अलावा, स्थानीय मुखबिरों को सतर्क कर अपराधियों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी भी रखी गई। इस अभियान के तहत जुए के अवैध अड्डों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने संवेदनशील इलाकों में ट्रैप लगा कर जुएबाज़ों को रंगे हाथों पकड़ने में सफलता पाई। गैम्बलिंग एक्ट के तहत दर्ज किए गए 14 मामलों में 33 जुआरियों को गिरफ्तार करने के साथ पुलिस ने दांव पर लगे एक लाख 15 हजार से ज्यादा की रकम के साथ स्लिप्स, नोटपैड और प्लेयिंग काड्र्स जब्त किये।

### अवैध शराब माफिया पर कड़ा प्रहार

वहीं अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ चलाये गए अभियान में पुलिस ने सूत्रों से विकसित की गई जानकारियों और तकनीकी निगरानी के आधार पर कई जगह छापेमारियां की और अवैध शराब तस्करी के मामले में 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया। एक्साइज एक्ट के तहत दर्ज किए गए 16 मामलों में 3, 614 क्वार्टर अवैध शराब और 166 बीयर की बोतलों के साथ 1 स्कूटी और 1 कार जब्त किया।

### रानी बाग पुलिस ने अवैध शराब सप्लायर को दबोचा

एक अन्य मामले में रानी बाग थाना की टीम ने पिकेट जांच के दौरान एक अवैध शराब तस्कर को दबोचा, जिसके कब्जे से पुलिस ने 38 क्वार्टर अवैध शराब जब्त किया है। अधिकारी से मिली जानकारी के मुताबिक, 26 फरवरी 2025 को रोड नं. 43, दिल्ली जल बोर्ड ऑफिस के पास पिकेट ड्यूटी के दौरान हेड कॉन्स्टेबल अनिल कुमार और कांस्टेबल अजय ने एक संदिग्ध सिल्वर सैंट्रो कार को रोका। जिसकी तलाशी में 38 कार्टन (1900 क्वार्टर) अवैध शराब बरामद हुई। जिसे तस्करी कर हरियाणा से लाया गया था। एक्साइज एक्ट के तहत दर्ज मामले में गिरफ्तार आरोपी की पहचान, अनिल कुमार उर्फ बिर्जू (34) के रूप में हुई है। यह दिल्ली के रामपुरा का रहने वाला है।

# बीजेपी हमें डराने की कोशिश ना करे : सोमनाथ भारती

**-सीएजी रिपोर्ट पर आप नेता सोमनाथ भारती का बड़ा बयान, 'ये अच्छा ही हो रहा है, कम से कम...'**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सीएजी की रिपोर्ट के मद्देनजर आम आदमी पार्टी के नेता सोमनाथ भारती ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस संबंध में पूछे गए सवाल पर कहा कि ये अच्छा ही हो रहा है। कम से कम एक बात हो रही है कि जो ये मिर्च मसाला लगाकर झूठ बोलते थे, वो अब नहीं हो पाएगा।

सोमनाथ भारती ने सवाल उठाते हुए कहा, 'इन्होंने जो शराब घोटाला कह करके सीएजी की रिपोर्ट निकाली, उस पर क्या निकला? उसमें उल्टा ये फंस गए हैं। सीएजी ये कह रही है कि अगर ये पॉलिसी चलती रहती तो दिल्ली के राजस्व को फायदा होता। आज ये मालूम पड़ गया कि बीजेपी के कारण दिल्ली के राजस्व में घाटा हुआ।'

उन्होंने आगे कहा, 'ये पॉलिसी जब बीजेपी ने बीच में रोक दी तो दिल्लीवासियों को मालूम पड़ रहा है कि दोषी आम आदमी पार्टी नहीं बल्कि दोषी तो बीजेपी है। उसी प्रकार से ये जितने भी सीएजी रिपोर्ट ले आएं, ना ही हमारी पार्टी ने और न ही हमारे किसी नेता ने गलत किया है और ना कभी हम गलत करेंगे। ये हमको डराने का प्रयत्न ना करें, ये खुद डरें। अपने कर्मों से डरें।'

आप नेता ये भी कहा, 'आज जरूरी ये है कि बीजेपी अपने वादों को पूरा करने में जुटे। दिल्ली की महिलाओं को इन्होंने 2500 रुपये प्रति महीने देने का वादा किया है, उसे पूरा करें। इन्होंने दिल्लीवासियों के लिए बहुत सारे वादें कर रखे हैं, अब इनके पसीने निकल रहे हैं कि वादा पूरा कैसे करेंगे। ये अरविंद केजरीवाल जी थोड़ी हैं, केजरीवाल जी को सारे गुण आते हैं कि कैसे असंभव को संभव करके दिखाएं। बीजेपी ने वादा तो कर दिया लेकिन अब काम करने नहीं आ रहा है।'

### बीजेपी विधायक तरविंदर सिंह मारवाह ने क्या कहा?

दिल्ली विधानसभा में पेश की गई सीएजी रिपोर्ट पर बीजेपी विधायक तरविंदर सिंह मारवाह ने कहा, ÷14 सीएजी रिपोर्ट जारी की जाएंगी और यह दूसरी रिपोर्ट है। कोई भी महकमा ऐसा नहीं है जहां भ्रष्टाचार नहीं हुआ हो। अब ये सामने आ रहा है। क्योंकि सीएजी जो रिपोर्ट देती है वो किसी की मानती नहीं है।

# जरूरतमंद बच्चों की देखभाल भी नहीं कर सकी पिछली सरकार, सीएजी रिपोर्ट में हुआ नया खुलासा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** गरीबी से जूझ रहे राजधानी में बड़ी संख्या ऐसे बच्चे भी हैं, जिनके पास घर नहीं हैं, जो भीख मांगते मिलते हैं। सड़कों पर रहने वाले बच्चे, मानसिक या शारीरिक रूप से विकलांग, अनाथ, तस्करी या यौन शोषण के शिकार, नशीली दवाओं व मादक पदार्थों के सेवन करने वाले बच्चों को कैसे सुधारा जाए, कैग रिपोर्ट कहती है कि इसके लिए दिल्ली सरकार ने कोई प्रयास नहीं किया। जरूरतमंद बच्चों की देखभाल व सुरक्षा प्रदान करने के प्रयासों में दिल्ली सरकार पूरी तरह से विफल रही। जबकि बच्चों के लिए राष्ट्रीय नीति में प्रविधान है कि राज्य सरकार बच्चों के अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए विशेष सुरक्षा उपाय करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कैग रिपोर्ट ने राज्य सरकार की कार्यप्रणाली की पोल खोलकर रख दी है। रिपोर्ट ने दिल्ली सरकार द्वारा जरूरतमंद बच्चों की देखभाल व सुरक्षा प्रदान करने के लिए किए गए प्रयासों में कई खामियां रेखांकित की हैं। बाल देखभाल संस्थानों को धन जारी करने व बच्चों को गोद लेने के लिए स्वतंत्र घोषित करने आदि के लिए बाल देखभाल संस्थानों में कर्मचारियों की कमी, अपर्याप्त भौतिक बुनियादी ढांचे और अपर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं की समस्या थी। सरकार ने माता-पिता की देखभाल की जरूरत वाले बच्चों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने और ऐसे बच्चों के पालक माता-पिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रायोजन योजना और पालक देखभाल योजना को भी लागू नहीं किया।

### जरूरत वाले बच्चों की पहचान करने के लिए नहीं हुआ कोई सर्वेक्षण

महिला एवं बाल विकास विभाग (डीडब्ल्यूसीडी), दिल्ली राज्य बाल संरक्षण सोसाइटी (डीएससीपीएस), राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन एजेंसी (एसएआरए), बाल कल्याण समितियों (सीडब्ल्यूसी), जिला बाल संरक्षण इकाइयों (डीसीपीयू) और बाल देखभाल संस्थानों (सीसीआइ) के रिकॉर्ड की जांच में काफी कमियां पाई गईं।

कैग रिपोर्ट में कहा गया है कि एकीकृत बाल संरक्षण योजना के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों की देखभाल और सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में दिल्ली सरकार के प्रयास अधिकांश क्षेत्रों में या तो अपर्याप्त थे अथवा धीमे थे। सरकार द्वारा देखभाल की जरूरत वाले बच्चों की पहचान करने के लिए कोई सर्वेक्षण नहीं कराया गया। ऐसे बच्चों से संबंधित आंकड़ों के अभाव में सरकार द्वारा कोई ठोस योजना तैयार नहीं की जा सकी और न ही पर्याप्त संसाधन आवंटित किए जा सके। उनके प्रयास केवल उन कमजोर बच्चों की देखभाल प्रदान करने तक सीमित थे, जिन्हें पुलिस व गैर सरकारी संगठनों द्वारा उनके पास लाया गया।

### जानबूझ कर फंड जारी करने में हुई देरी

दिल्ली राज्य बाल संरक्षण सोसाइटी जो एकीकृत बाल संरक्षण योजना के कार्यान्वयन के लिए सर्वोच्च निकाय है, आवश्यक प्रोत्साहन और नेतृत्व प्रदान करने में विफल रहा, क्योंकि इसकी शासी निकाय और कार्यकारी समिति निष्क्रिय थी। यहां तक कि सरकार एनजीओ द्वारा संचालित बाल देखभाल संस्थानों को समय पर वित्तीय सहायता प्रदान करने में विफल रही, जानबूझ कर उन्हें फंड जारी करने में देरी की गई।

सरकार एकीकृत बाल संरक्षण योजना के कार्यान्वयन के लिए अनुदान में बढ़ी हुई केंद्रीय हिस्सेदारी का लाभ उठाने में भी विफल रही। बच्चों की देशभाल, संरक्षण व उचित पुनर्वास के लिए जिम्मेदार बाल कल्याण समितियों का गैर जिम्मेदार रवैया सामने आया। उन्होंने विभिन्न एजेंसियों द्वारा बरामद बच्चों की तस्वीरों को फेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम पर भी अपलोड नहीं किया। जिससे लापता बच्चों के विवरण से उनका मिलान किया जा सके और उन्हें उनके स्वजन को सौंपा जा सके। लापता बच्चों के विवरण से उनका मिलान किया जा सके। इससे माता-पिता और बच्चों के अलगाव के आघात को कम करने के प्रति चिंता की कमी का संकेत मिलता है।

### सिर्फ 54 फीसदी बच्चों को ही मिल पा रही थी शिक्षा

रिपोर्ट में कहा गया है कि बाल देखभाल संस्थान बिना पंजीकरण के काम कर रहे थे, जिससे दिल्ली राज्य बाल संरक्षण सोसाइटी को किशोरों के बारे में निर्णय लेने में देरी हुई, जिससे उन्हें अपेक्षित सुविधाओं के बिना काम करना पड़ा और बच्चों को अनुपयुक्त परिस्थितियों में रहना पड़ा। बाल देखभाल संस्थानों में बाल कल्याण अधिकारी, परामर्शदाता और शिक्षकों आदि के महत्वपूर्ण पदों पर कर्मचारियों की 76 प्रतिशत तक पाई गई, जिससे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण देखभाल करने की उनकी क्षमता प्रभावित हुई।

बाल देखभाल संस्थानों को अपर्याप्त बुनियादी सुविधाओं, बच्चों को दिए जाने वाले अपर्याप्त पोषण, कपड़े, बिस्तर और प्रसाधन, अपर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं और शिक्षा के अभाव का भी सामना करना पड़ा। वहां केवल 54 प्रतिशत बच्चों को ही शिक्षा मिल पा रही थी। सरकार ने ÷प्रायोजन÷ और 'पालक देखभाल' योजनाओं को लागू नहीं किया, जिसके कारण पारिवारिक वातावरण में बच्चों की वृद्धि और विकास नहीं हो सका, खासकर उन मामलों में जहां परिवार, रिश्तेदार या अन्य व्यक्ति बच्चों की मदद करने के इच्छुक थे, लेकिन वित्तीय बाधाओं के कारण ऐसा करने में असमर्थ थे।

## पत्थरबाजी के झूठे आरोप में फंसी फरहाना, 87 दिन बाद जेल से रिहा

संभल। 26 नवंबर को संभल हिंसा के दौरान पत्थरबाजी के आरोप में गिरफ्तार की गई 48 वर्षीय फरहाना को 87 दिनों बाद जेल से रिहा कर दिया गया। जांच में पाया गया कि फरहाना का वजन 120 किलोग्राम है, जिससे वह छत पर चढ़कर पत्थर फेंकने में सक्षम नहीं थी। पुलिस ने फरहाना पर दंगा, हत्या के प्रयास, सार्वजनिक सेवक पर हमले जैसी कई गंभीर धाराएं लगाई थीं। लेकिन स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की जांच में सामने आया कि सोशल मीडिया पर दिखी महिला की बनावट फरहाना से मेल नहीं खाती थी। जांच के दौरान यह भी पता चला कि फरहाना की पड़ोसी जिकरा से पुरानी दुश्मनी थी, जिसने उसे झूठे आरोप में फंसाया। जिकरा ने अपनी बहन को बचाने के लिए फरहाना का नाम लिया था। फरहाना की रिहाई के बाद उसके परिवार ने राहत की सांस ली, लेकिन जेल में बिताए गए समय की यादें उसे अब भी परेशान कर रही हैं। इस मामले में एसआईटी ने निष्पक्ष जांच का दावा किया है और झूठे बयान देने वाली जिकरा के खिलाफ भी कार्रवाई की तैयारी कर रही है। यहां बताते चलें कि संभल हिंसा में कुल 26 गिरफ्तारियां हुई थीं, जिनमें से 25 पर आरोप तय हुए, लेकिन फरहाना के खिलाफ कोई सबूत न मिलने पर उसे रिहा कर दिया गया।

## माता वैष्णो देवी के भक्तों के लिए खुशखबरी : वंदे भारत चलेगी 7 मार्च से

जम्मू। दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन, जो जम्मू रेलवे स्टेशन के विस्तारीकरण कार्यों के चलते अस्थायी रूप से बंद थी, अब 7 मार्च से फिर से शुरू होने जा रही है। यह सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन जम्मू रेलवे स्टेशन पर नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण कुछ दिनों के लिए बंद कर दी गई थी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, 6 मार्च तक यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा, जिसके बाद 7 मार्च से वंदे भारत एक्सप्रेस फिर से अपनी सेवाएं बहाल करेगी।

**रेलवे ने दी यात्रियों को सलाह-** रेलवे प्रवक्ता ने कहा कि यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना बनाते समय इस सूचना का ध्यान रखना चाहिए। यदि किसी यात्री को अधिक जानकारी चाहिए या अन्य ट्रेनों के शेड्यूल के बारे में जानना हो, तो वे रेलवे स्टेशन या रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट पर संपर्क कर सकते हैं।

**अब यात्रा होगी आसान-** वंदे भारत एक्सप्रेस के फिर से शुरू होने से माता वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं और यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। इससे दिल्ली और कटरा के बीच यात्रा पहले की तरह तेज और सुविधाजनक हो जाएगी।

## संभल में शाही जामा मस्जिद में नहीं होगी रंगाई-पुताई

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में विवादित धर्मस्थल शाही जामा मस्जिद की रंगाई-पुताई नहीं होगी। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने शुक्रवार को बड़ा फैसला दिया है। एएसआई की टीम को केवल सर्वेक्षण और सफाई करने की अनुमति दी गई है। कोर्ट के निर्देश पर 3 सदस्यीय टीम मस्जिद के सर्वे के लिए पहुंची थी, सर्वे टीम ने यहां अपनी रिपोर्ट पेश की है। इस रिपोर्ट के आधार पर हाई कोर्ट ने रंगाई-पुताई नहीं करने का फैसला दिया है। दरअसल, संभल मस्जिद समिति की ओर से इलाहाबाद हाई कोर्ट में एक सिविल रिवीजन याचिका दाखिल हुई थी। इसमें मस्जिद में रंगाई-पुताई कराने की अनुमति मांगी गई थी। इस पर अदालत ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया था। मस्जिद कमेटी से साफ तौर पर कहा कि वे इस समय केवल सफाई कार्य करवा सकते हैं। एएसआई ने कोर्ट को अपनी जॉइंट इंस्ट्रक्शन रिपोर्ट सौंप कर बताया कि मस्जिद की वर्तमान स्थिति में किसी भी तरह की रंगाई-पुताई की जरूरत नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार मस्जिद में कोई ऐसी संरचनात्मक समस्या नहीं है, जिसके लिए मरम्मत या फिर रंगाई करने की आवश्यकता हो।

## दिल्ली पुलिस ने निजामुद्दीन इलाके से एक संदिग्ध आतंकवादी परवेज को उठाया

नई दिल्ली। कश्मीर और दिल्ली पुलिस ने निजामुद्दीन इलाके में स्थित फजार रेजीडेंसी और गेस्ट हाउस से एक संदिग्ध आतंकवादी परवेज अहमद खान को गिरफ्तार किया। फजर रेजीडेंसी के मैनेजर मोहम्मद शमी ने बताया कि एक रात पहले कश्मीर और दिल्ली पुलिस आई थी। हमारे एक कमरे में दो मेहमान ठहरे थे, एक का नाम परवेज और दूसरे का नाम फारुक था। पुलिस ने परवेज को होटल के बाहर से उठाया। फजर रेजीडेंसी के मैनेजर ने दावा किया कि ये दोनों कश्मीर से हैं। परवेज ने बताया था कि वह घूमने के लिए दिल्ली आये थे। 12 फरवरी की रात करीब 11 बजे परवेज आया। उसका दोस्त फारुक अभी भी हमारे कमरे में रहता है। हमें नहीं पता कि वह 12वीं से 26वीं तारीख तक कहां गए। हमें नहीं पता कि वह कहां जाता था और क्या करता था। हमारे गेस्ट हाउस में भी कोई उनसे मिलने नहीं आया। अगर कोई आता है तब उसके लिए हमारे पास विजिटर एंट्री होती है। परवेज़ के एक कारोबारी दोस्त मोहम्मद फारुक ने कहा कि मैं परवेज को 5-6 साल से जानता हूँ, मेरा उससे आर्थिक लेन-देन है। हमारा शॉल का कारोबार है। उन्होंने बताया कि जब पुलिस आई तब मुझे और परवेज़ को थाने ले गई, हम दोनों से पूछताछ की गई, पूछताछ के बाद कश्मीर पुलिस परवेज को ले गई और मुझे छोड़ दिया। मुझे कभी नहीं लगा कि वह किसी आतंकवादी गतिविधि में शामिल था।

## गडचिरौली में 18 लाख के इनामी दो नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

गडचिरौली। महाराष्ट्र के नक्सल प्रभावित गडचिरौली जिले में 18 लाख रुपये के इनामी दो नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। आत्मसमर्पण करने वालों में भामरागढ़ स्थानीय संगठन दस्ते (एलओएस) की डिवीजनल कमेटी सदस्य (डीवीसीएम) कांता उर्फ कंटक्का उर्फ मंडी गालू पल्लो (56) और सुरेश उर्फ वारलू इरपा मज्जी (30) शामिल हैं।

# आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर क्या नीतीश कुमार डरे?

### अपने काम गिनाने के साथ बार-बार याद दिला रहे लालू का जंगल राज

**पटना (एजेंसी)।** इस साल बिहार में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए चुनावी बिसात बिछ चुकी है। सत्तारूढ़ गठबंधन को एक बार फिर अपने किए गए के कामों पर ही ज्यादा भरोसा है। लालू यादव के राज को जिस तरह जंगल राज का नाम दिया गया है उसे निशाने पर रखकर पिछले कई चुनाव एनडीए जीत चुका है। एक बार फिर उसी को भुनाने की तैयारी है। अब देखना है कि ये कहां तक सही साबित होती है। पीएम नरेंद्र मोदी ने इसी हफ्ते भागलपुर में एक सभा में राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के शासनकाल को 'जंगल राज' बताते हुए हमला किया था। नीतीश कुमार तो हर मंच पर जंगल राज को याद कराते रहते हैं। पीएम मोदी के साथ सभा में उपस्थित नीतीश कुमार ने कहा था कि मुझे उम्मीद है कि आपको याद होगा कि जब हम बिहार 2005 में सत्ता में आए थे, तब क्या स्थिति थी। सूर्यास्त के बाद कोई भी घर से बाहर नहीं निकलता था। जाहिर है कि एनडीए एक बार फिर जंगल राज को फिर से मुद्दा बनाकर जनता के डर को भुनाना चाहती है लेकिन क्या 20 साल बाद भी आम लोग लालू के कार्यकाल की गलतियों को आधार बनाकर वोटिंग करेंगे?

क्या एनडीए सरकार के पास अपनी उपलब्धियां कम हैं जो उसे एक बार फिर नकारात्मक कैंपेन जो 20 साल पहले की बात है उस पर भरोसा करना पड़ रहा है? आखिर 20 सालों से प्रदेश के सीएम नीतीश कुमार सत्ता में हैं। क्या इतना समय जनता के बीच बताने के लिए काफी नहीं होता है? फिर अब तो बीजेपी भी साथ में हैं। केंद्र सरकार के साथ मिलकर बिहार में डबल इंजन की सरकार चल रही है। राज्य सरकार में दो-डिप्टी सीएम बीजेपी के ही हैं, फिर आखिरकार लालू राज का नाम क्यों लिया जा रहा है? आखिर बीजेपी ने ये देख लिया है कि अब नेगेटिव कैंपेन का असर जनता पर नहीं हो रहा है।

दिल्ली विधानसभा का चुनाव जीतने के पीछे सबसे बड़ा कारण यही रहा है। बीजेपी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार में ध्रुवीकरण की राजनीति के बजाय एक सूत्रीय विकास की बातें की थी, जिसका असर हुआ और लोगों ने बीजेपी को आम आदमी पार्टी के मुकाबले तरजीह दी और बीजेपी को जीत हासिल हुई। ऐसा भी नहीं है कि नीतीश के नाम उपलब्धियां नहीं हैं। नीतीश सरकार के नेतृत्व में कानून व्यवस्था आज भी पहले की तुलना में बेहतर है। यही कारण है कि कभी बिहार से बड़े डॉक्टर्स ने पलायन कर दिया था। आज मेदान्ता और पारस जैसे बड़े हॉस्पिटल ग्रुप बिहार पहुंच रहे हैं। बिहार में विदेशी सैलानियों की बढ़ती संख्या बताती है कि बिहार में कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है। 2023 की तुलना में 2024 में करीब 2 लाख विदेशी पर्यटक बिहार पहुंचे। बिहार में विदेश निवेश में भी

लगातार बढ रहा है। पावर सप्लाई भी पिछले कुछ सालों में बहुत बेहतर हुई है।

सात महीनों के अंतराल में आए दो केंद्रीय बजटों में बिहार के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश की झड़ी लगा दी है, जिसमें राजमार्ग, हवाई अड्डे, बाढ़ नियंत्रण और पर्यटन विकास जैसी योजनाएं शामिल हैं। हालांकि विपक्ष बार-बार नीतीश सरकार पर विशेष राज्य की मांग पूरी न करा पाने के लिए दबाव डालता रहता है।

## जेपी नड्डा ओडिशा दौरे पर, एनएचएम कार्यक्रम में करेंगे शिरकत

भुवनेश्वर। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा अपने दो दिवसीय दौरे पर ओडिशा पहुंचे हैं। इस दौरान वह पुरी में आयोजित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के एक विशेष कार्यक्रम में आज शामिल होंगे। जेपी नड्डा जब भुवनेश्वर के बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे, तो मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, भाजपा की ओडिशा इकाई के अध्यक्ष मनमोहन सामल और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

**पुरी में होगा राष्ट्रीय स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन**

भाजपा प्रदेश इकाई के उपाध्यक्ष बिरंची नारायण त्रिपाठी ने बताया कि नड्डा पहले कोणार्क रवाना हुए, जहां उन्होंने रात्रि विश्राम किया। कार्यक्रम के अनुसार, वह शुक्रवार को पुरी में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा आयोजित नौवें राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान वह 16वें 'कॉमन रिव्यू मिशन' की रिपोर्ट का भी अनावरण करेंगे। इस सम्मेलन का उद्देश्य भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को और बेहतर बनाना है।

## एनएसए डोभाल को लेकर खालिस्तानी आतंकी पन्नू के वकीलों के दावे निकले फर्जी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** खालिस्तानी आतंकियों में हताशा कितने ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है, इसका एक और नमूना हाल में सामने आया है। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के वकीलों ने फर्जी दावा किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल को अमेरिका दौरे के दौरान समन दिया था। लेकिन सच यह हैं कि आतंकी पन्नू और वकीलों को पता नहीं कि प्रधानमंत्री के साथ एनएसए की यात्रा हो, तब उन्हें किसी भी तरह की कानूनी कार्रवाई से छूट मिले है।

मोदी सरकार के सूत्रों ने बताया कि एनएसए डोभाल को प्रधानमंत्री मोदी के साथ यात्रा करते समय समन से छूट मिली है। मतलब साफ है, डोभाल पर कोई समन नहीं थोपा जा सकता जब वे प्रधानमंत्री के साथ हों। सूत्रों ने कहा कि अमेरिका ने यात्रा से पहले ही उनकी इम्यूनिटी की पुष्टि की गई थी। वकीलों के दावे को खालिस्तानी आतंकियों की हताशा भरी हरकत बताया जा रहा है।

13 फरवरी को पीएम और अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच हुई शिखर बैठक में दोनों पक्षों ने सिख आतंकी ढांचे के खिलाफ मिलकर काम करने का फैसला किया। यानी, दोनों देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हैं। इसके बाद पन्नू के वकीलों का दावा थोड़ा अजीब लगता है। पन्नू के वकीलों की ओर से दावा किया गया, भारत सरकार द्वारा न्यूयॉर्क में सिख कार्यकर्ता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कोशिश के नवीनतम घटनाक्रम में, संघीय अदालत में दायर दस्तावेजों से पता चलता है कि पन्नू ने अपने मुकदमे की एक प्रति भारत की शीर्ष खुफिया एजेंसी के प्रमुख और डोभाल को उनकी हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री मोदी के साथ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिलने के लिए अमेरिका की यात्रा के दौरान दी थी... यदि सेवा पूरी हो जाती है, तब डोभाल के पास सेवा से 21 दिनों के भीतर सिविल सूट में पन्नू की शिकायत का जवाब देने होगा। विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने कहा था, जैसा कि हमने पहले कहा है, ये पूरी तरह से अनुचित और निराधार आरोप हैं। अब जबकि यह विशेष मामला दर्ज किया गया है, इससे अंतर्निहित स्थिति के बारे में हमारे विचार नहीं बदलते... डोभाल ने रक्षा उद्योग और नागरिक उच्च तकनीक और दूरसंचार क्षेत्रों में सहयोग के लिए आईसीईटी ढांचे को एक साथ रखने में अपने पूर्व अमेरिकी समकक्ष जेक सुलिवन के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

## 15 मार्च तक बीजेपी को मिल जाएगा जेपी नडडा का उत्तराधिकारी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली, हरियाणा और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने शानदार जीत हासिल की है। अब हर किसी के मन में बस एक ही सवाल है कि बीजेपी का अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा? राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम को लेकर संशय बना हुआ है। लेकिन इस बीच एक बड़ी खबर आई है कि अध्यक्ष का नाम 15 मार्च से पहले घोषित हो सकता है।

सूत्रों के मुताबिक ऐलान अगले दो हफ्ते के अंदर हो सकता है। पार्टी के संगठनात्मक चुनाव 12 राज्यों में पूरे हो चुके हैं और बताया जा रहा है कि अध्यक्ष का नाम 15 मार्च से पहले घोषित किया जा सकता है। उसके बाद हिन्दू कैलेंडर के अनुसार अशुभ अवधि शुरू होती है।

बीजेपी अध्यक्ष के चुनाव के लिए करीब आधे राज्यों में संगठनात्मक चुनाव होना जरूरी है। इसके पहले, बूथ, मंडल और जिला स्तर पर चुनाव होते हैं। अभी 36 राज्यों में से सिर्फ 12 में ही चुनाव पूरे हुए हैं। इसलिए करीब 6 और राज्यों में चुनाव कराने की जरूरत है। बीजेपी उन राज्यों में इस प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ा रही है जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसमें तमिलनाडु, बंगाल, असम और गुजरात शामिल है। बिहार में कोई बदलाव नहीं होगा, जहां इस साल के अंत तक चुनाव होने हैं।

बीजेपी अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार का चयन कई बातों को ध्यान में रखकर किया जाएगा। सबसे जरूरी है कि उम्मीदवार को सभी का समर्थन हासिल हो, इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भी शामिल है। साथ ही उम्मीदवार को संगठनात्मक मूल्यों से ओतप्रोत होना चाहिए। पार्टी जातिगत समीकरण, उत्तर-दक्षिण भाषा विवाद, परिसीमन और सबसे महत्वपूर्ण उत्तर प्रदेश में अपने जनाधार को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में पार्टी को झटका लगा था, जिससे उसे सदन में पूर्ण बहुमत नहीं मिल सका था। जेपी नड्डा ने 2019 में कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में पार्टी की जिम्मेदारी संभाली थी। जनवरी 2020 में, उन्हें सर्वसम्मति से बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया और उन्होंने वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से पदभार ग्रहण किया। लोकसभा चुनाव को देखकर उनका कार्यकाल जून 2024 तक बढ़ा दिया गया था। मोदी सरकार में शामिल होने के साथ, पार्टी उनके उत्तराधिकारी के लिए संभावित उम्मीदवारों की तलाश कर रही है। लेकिन यह प्रक्रिया धीमी रही है, क्योंकि नेता इस मुद्दे पर आम सहमति बनाने की उम्मीद कर रहे हैं। कई नामों पर चर्चा हो रही है, लेकिन पार्टी किसी भी नाम की आधिकारिक पुष्टि नहीं कर रही है।

## असम में कांग्रेस की बैठक, आगामी चुनाव में बीजेपी सरकार को उखाड़ फेंकने का लिया संकल्प

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस को अगले साल होने वाले असेंबली चुनावों को लेकर जिन दो राज्यों से उम्मीद हैं, उनमें असम और केरल प्रमुख है। इन राज्यों में सत्ता वापसी की बात हो रही है। असम चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस के नए मुख्यालय में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने प्रदेश नेताओं से गुरुवार को बैठक की, जिसमें कई पहलुओं पर चर्चा की गई। असम नेताओं के साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल मौजूद थे।

वहीं दूसरी ओर असम के प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र बोरा, लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई, सांसद रकीबुल हुसैन, सीएलपी लीडर देवब्रत सैकिया, प्रदेश के सीनियर लीडर प्रदीप बारदोलोई समेत कई लोग शामिल थे।

बैठक के बाद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा- आज कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के नेतृत्व में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेताओं के साथ बैठक में शामिल हुआ।

असम ने भ्रष्टाचार और नफरत की राजनीति को हटाने और कांग्रेस के साथ मोहब्बत और प्रगति की राजनीति को गले लगाने का मन बना लिया है।

वही बैठक खत्म होने के बाद प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र कुमार बोरा ने कहा कि असम से जुड़े अहम मुद्दों और रणनीति को लेकर शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की, जहां असम के सीनियर नेता और तमाम पदाधिकारी मौजूद थे। सभी ने एकसुर से संकल्प लिया कि हम एकजुट होकर आने वाले चुनाव में असम से बीजेपी सरकार को उखाड़ फेंकेंगे। बोरा ने सीएम हिमंता बिस्वा सरमा पर निशाना साधते हुए कहा कि सरमा देश के सबसे भ्रष्ट सीएम हैं और हमने उनके भ्रष्टाचार से जुड़े तमाम सबूत अपने शीर्ष नेतृत्व के सामने रख दिए हैं।

## तिब्बती नववर्ष (लोसर) के शुभ अवसर पर लिंग रिनपोछे और परम पावन दलाई लामा की भेंट

**लोसार: तिब्बती नववर्ष का पर्व।**
**रिपोर्ट: रविंद्र आर्य।** लोसार तिब्बती समुदाय का सबसे प्रमुख पर्व है, जिसे तिब्बती नववर्ष के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व तिब्बती कैलेंडर के अनुसार 12वें महीने के अंत और नए वर्ष की शुरूआत में मनाया जाता है, जो आमतौर पर ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार जनवरी या फरवरी में पड़ता है। लोसार मुख्य रूप से तिब्बत, नेपाल, भूटान और भारत में तिब्बती बौद्ध समुदाय द्वारा मनाया जाता है।

लोसार का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व।

लोसार का शाब्दिक अर्थ है 'लो' (वर्ष) और 'सार' (नया), यानी 'नया वर्ष'। यह पर्व तिब्बत में प्राचीन बोन धर्म से जुड़ा हुआ था, जिसे बाद में बौद्ध संस्कृति ने अपनाया। यह पर्व कृषि से भी जुड़ा हुआ है, क्योंकि पारंपरिक रूप से इसे फसल कटाई और नए मौसम के आगमन के साथ मनाया जाता था।

लोसार का प्रारंभिक जश्न तिब्बत के योलंग वंश (7वीं शताब्दी) के शासनकाल में शुरू हुआ था। इसे तिब्बत के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक और सामाजिक पर्व के रूप में देखा जाता है, जिसमें आध्यात्मिक अनुष्ठान, सांस्कृतिक नृत्य, पारंपरिक भोजन और सामाजिक मेल-जोल शामिल होता है। लोसार का उत्सव और परंपराएँ,लोसार को तीन मुख्य दिनों में विभाजित किया जाता है: गुटुक - लोसार की पूर्व संध्या। लोसार के एक दिन पहले 'गुटुक' नामक विशेष व्यंजन बनाया जाता है, जिसमें नौ तरह की सामग्री होती है।

इस दिन घर की सफाई, पुराने सामानों का त्याग और नकारात्मक ऊर्जाओं को दूर करने के लिए अनुष्ठान किए जाते हैं। बौद्ध मठों में 'छाम नृत्य' किया जाता है, जिसमें बौद्ध भिक्षु रंगीन पोशाक पहनकर नकारात्मक शक्तियों का नाश करने के लिए नृत्य करते हैं। लोसार का पहला दिन - धार्मिक अनुष्ठान। इस दिन लोग बौद्ध मठों और मंदिरों में जाते हैं, विशेष पूजा करते हैं और अच्छे भविष्य की कामना करते हैं। दलाई लामा और प्रमुख लामा अपने अनुयायियों को आशीर्वाद देते हैं। पारंपरिक तिब्बती पोशाक पहनकर लोग अपने परिवार और रिश्तेदारों से मिलते हैं।

लोसार का दूसरा और तीसरा दिन - सामाजिक उत्सव।लोग अपने दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलने जाते हैं। पारंपरिक तिब्बती व्यंजन जैसे 'खापसे' (खस्ता पकवान), 'छांग' (जौ से बनी शराब) और 'मोमो' खाए जाते हैं। घोड़ों की दौड़, पारंपरिक नृत्य और संगीत के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। भारत में तिब्बती शरणार्थियों की एक बड़ी आबादी है, जो 1959 में दलाई लामा के भारत आगमन के बाद यहाँ बस गई। धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश) तिब्बती शरणार्थियों का केंद्र बना और इसे 'लिटिल तिब्बत' कहा जाता है। यहाँ हर साल बड़े धूमधाम से लोसार मनाया जाता है। भारत के अन्य प्रमुख स्थान जहाँ लोसार धूमधाम से मनाया जाता है:

- लद्दाख (लेह, कारगिल)
- सिक्किम (गंगटोक, रुमटेक मठ)
- अरुणाचल प्रदेश (तवांग मठ, बौद्ध मठ)
- उत्तराखंड (देहरादून, मुनस्यारी, माणा गाँव)

लद्दाख और सिक्किम में बौद्ध अनुयायी इस पर्व को बड़े स्तर पर मनाते हैं, जहाँ पारंपरिक नृत्य, धार्मिक अनुष्ठान और जुलूस निकाले जाते हैं।

दलाई लामा तिब्बती बौद्ध धर्म के सबसे बड़े आध्यात्मिक गुरु हैं। वे 1959 में चीन के तिब्बत पर नियंत्रण के बाद भारत में शरण लेने आए और तब से धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश) में रह रहे हैं।

तिब्बती शरणार्थियों के संरक्षक:भारत में बसे तिब्बती समुदाय के लिए वे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक मार्गदर्शक हैं। भारत-तिब्बत संबंधों के प्रतीक: भारत में उनके होने से तिब्बत और भारत के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध मजबूत हुए हैं। लोसार पर विशेष संबोधन: हर वर्ष लोसार पर वे तिब्बती समुदाय को संदेश देते हैं और विश्वभर के लिए शांति की कामना करते हैं। हालाँकि, चीन दलाई लामा की भारत में उपस्थिति को संदेह की दृष्टि से देखता है और इसे चीन-भारत संबंधों में संवेदनशील मुद्दा मानता है। लोसार न केवल तिब्बतियों के लिए बल्कि पूरे हिमालयी बौद्ध समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण पर्व है। भारत में तिब्बती समुदाय ने इसे अपनी सांस्कृतिक पहचान बनाए रखने का माध्यम बना लिया है। दलाई लामा की उपस्थिति इस पर्व को और भी विशेष बना देती है। भारत में तिब्बती समुदाय के संरक्षण और उनके सांस्कृतिक पर्वों के सम्मान से यह स्पष्ट होता है कि भारत विविध संस्कृतियों को स्वीकार करने वाला देश है। तिब्बती नववर्ष (लोसर) के पावन अवसर पर, परम आदरणीय लिंग रिनपोछे ने परम पावन 14वें दलाई लामा से एक विशेष भेंट की। इस गहन और हृदयस्पर्शी मुलाकात के दौरान, लिंग रिनपोछे ने परम पावन के दीर्घायु होने की प्रार्थना करते हुए निवेदन किया कि वे समस्त प्राणियों के कल्याण के लिए यथासंभव लंबे समय तक इस संसार में विराजमान रहें।

## कई कठिनाईयों से जूझने के बाद भारतीय स्किल वर्कर्स को मिलता है अमेरिकी वीजा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अमेरिका में नौकरी करने की इच्छा रखने वाले भारतीयों के लिए अंग्रेजी दक्षता परीक्षा एक बड़ी चुनौती बन रही है। हाल ही में एक नए सर्वे में बताया गया कि कई भारतीय टेस्ट देने वालों को डर लगता है कि उनके स्कोर उनकी स्किल के बजाय एक्सेंट (भाषा बोलने का तरीका), रंग और यहां तक कि कपड़े पहनने के तरीकों जैसे फैक्टर्स से प्रभावित हो सकते हैं।

भारतीय स्किल प्रोफेशनल्स के लिए अमेरिका हमेशा से पसंदीदा देश रहा है। 2023 में एच-1बी वीजा के अकेले 72 प्रतिशत भारतीयों को दिए गए। एच-1बी वीजा मिलन से करियर में ग्रोथ का गोल्डन टिकट तो मिल जाता है, लेकिन इस वीजा को पाना आसान नहीं होता है। भारतीय स्किल वर्कर्स को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इन्हीं में से एक अंग्रेजी दक्षता परीक्षा है। वैसे यूएससीआईएस की तरफ से एच-1बी वीजा देने के लिए कोई टेस्ट स्कोर नहीं मांगा जाता है।अमेरिका में नौकरी करने की इच्छा रखने वाले भारतीयों के लिए अंग्रेजी दक्षता परीक्षा एक बड़ी चुनौती बन रही है। हाल ही में एक नए सर्वे में बताया गया कि कई भारतीय टेस्ट देने वालों को डर लगता है कि उनके स्कोर उनकी स्किल के बजाय एक्सेंट (भाषा बोलने का तरीका), रंग और यहां तक कि कपड़े पहनने के तरीकों जैसे फैक्टर्स से प्रभावित हो सकते हैं। सर्वे में 1000 भारतीय टेस्ट देने वाले लोगों ने हिस्सा लिया और उन्होंने अपनी चिंताएं बताईं।

दरअसल, भले ही यूएससीआईएस एच-1बी वीजा देने के लिए कोई टेस्ट स्कोर नहीं मांगे, लेकिन कई अमेरिकी कंपनियां अच्छी अंग्रेजी बोलने और समझने वाले लोगों को ही नौकरी देती हैं। खासकर साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथ्स, हेल्थकेयर और कानून जैसे क्षेत्रों में तो यह और भी जरूरी है। सर्वे में बताया गया है कि 62 प्रतिशत से ज्यादा लोगों को लगता है कि अगर कोई इंसान उनकी परीक्षा ले रहा है, तो उनका एक्सेंट उनके खिलाफ जा सकता है। ये उनकी चिंताओं को उजागर कर रहा है।

# सरसों में रोग अनेक उपाय एक

**तोरिया और तारामीरा भारत की प्रमुख तिलहनी फसलें हैं। इसमें 25 बीमारियां लगती हैं। इन रोगों से बचाव कर सरसों का उत्पादन बढ़ाने का एकमात्र उपाय सरसों का फसल में समन्वित रोग प्रबंधन प्रणाली अपनाना ही है। सरसों के मुख्य रोग एवं उनका समन्वित प्रबंधन इस प्रकार है :-**

## सरसों

तोरिया और तारामीरा भारत की प्रमुख तिलहनी फसलें हैं। इसमें 25 बीमारियां लगती हैं। इन रोगों से बचाव कर सरसों का उत्पादन बढ़ाने का एकमात्र उपाय सरसों का फसल में समन्वित रोग प्रबंधन प्रणाली अपनाना ही है। सरसों के मुख्य रोग एवं उनका समन्वित प्रबंधन इस प्रकार है :-

## सफेद रोली

यह रोग एल्बूगो कैन्डिडा कवक द्वारा उत्पन्न होता है। जड़ को छोड़कर पौधों के सभी भागों पर रोग के लक्षण दिखाई देते हैं। रोग का प्रभाव पौधे पर दो प्रकार से होता है :

## 1. स्थानीय 2. सर्वांगी

स्थानीय संक्रमण में पत्तियों और तनों पर फफोले बनते हैं। यह फफोले कुछ उभरे हुए, चमकीले सफेद, अनियमित गोलाकार होते हैं। अधिक पास-पास होने पर यह फफोले मिलकर बड़े धब्बों का रूपधारण कर लेते हैं। फफोले बड़े होने पर बाहरी त्वचा फट जाती है तथा अंदर से कवक के बीजाणुओं का समूह पाउडर के रूप में निकलता है। तरूण तनों तथा पुष्पक्रम पर इस रोग का सर्वांगी असर होता है। उत्तकों की अतिवृद्धि होने से पुष्प अंग फूल जाते हैं। इन सभी अतिवृद्धि अंगों में फफूंद के स्पोर भरे रहते हैं। फलियों के स्थान पर गुच्छे दिखते हैं।

## आल्टरनेरिया पर्ण दाग और अंगमारी

यह रोग आल्टरनेरिया ब्रैसिकी और आल्टर ब्रैसिसिकोला कवक से होता है। सर्वप्रथम यह बीमारी बीज पत्रीय पर्णों पर छोटे-छोटे हल्के भूरे रंग के चकत्तों के रूप में दिखाई देते हैं जो कि बाद में काला रूप धारण कर लेते हैं। पत्तियों पर संक्रमण भूरे या गहरे भूरे रंग के दागों से आरंभ होता है और बढ़कर शीघ्र ही यह तनों और फलियों में फैल जाता है। आर्द्र मौसम में दाग मिलकर पत्तियों को झुलसा देते हैं। जिससे पत्तियां झड़ने लगती हैं। फलियों पर दाग आगे बीज का संक्रमण करते हैं। बीमारी वाले बीज छोटे आकार के व सिकड़े हुए स्लेटी या भद्दा रंग धारण कर लेते हैं। जिन वर्षो में पौधे या तो पहले नष्ट हो जाते है या फलियां बनने या पकने के पहले पूर्ण रूप से खत्म हो जाती है।

## छाछिया रोग (पाउडरी मिल्ड्यू):

यह रोग ऐरीसाइफी क्रुसीफेरेरम कवक द्वारा होता है। संक्रमित पौधों में प्रायः जमीन के सम्पूर्ण हिस्सों पर यह रोग देखा जा सकता है। प्रारंभ में यह रोग पौधों के तनों पत्तियों एवं फलियों पर श्वेत, गोल चूर्णित धब्बों के रूप में दिखाई पड़ता है। तापमान की वृद्धि के साथ-साथ में धब्बे आकार में बड़े हो जाते हैं और समस्त पौधों को ढ़क लेते है। ऐसे पौधों की बढ़वार बहुत कम होती है और फलियां भी कम लगती हैं। रोगग्रस्त फलियां आकार में छोटी हो जाती हैं और उनमें सिकुड़े हुए कुछ ही बीज बन पाते हैं।

## तना गलन

यह रोग स्क्लेरोटिनिया स्क्लेरोटियोरम कवक से होता है। रोग के लक्षण के आधार पर इसे श्वेत-अंगमारी, तना विगलन, शाखा विगलन, शिखर विगलन तथा कैंकर कई नामों से जाना जाता है। तने के निचले भाग में मटमैले या भूरे रंग के फफोले दिखाई देते हैं। प्रायः यह फफोले रूई जैसे सफेद जाल से ढ़के रहते हैं। पत्तों पर इसके लक्षण कम दिखाई देते हैं। इसी कारण जब तक कि पूरा का पूरा पौधा अंदर से गल न जाए, रोगग्रस्त पौधे आसानी से पहचान में नहीं आता। ये फफोले तने व पत्तों को इस तरह ढ़क लेते हैं कि पौधा मुरझाकर लटक जाता है अंत में सूख जाता है। इस रोग के प्रभाव से पौधा बोना हो जाता है और समय से पहले ही पक जाता है। रोग के बीजाणु काले उड़द के दानों की तरह तने के भीतरी भाग में पनपते हैं जिससे कि बाहर से देखने पर उसका आभास ही नहीं हो पाता। कई बार ये बीजाणु तने की ऊपरी सतह पर भी दिखाई देते हैं।

## औरोबंकी या आग्या

सरसों, तोरिया, राया फसलों पर औरोबंकी इलिप्टिका परजीवी का प्रकोप होता है। औरोबंकी से ग्रस्त पौधे सरसों के छोटे रह जाते है और कभी-कभी मर भी जाते हैं। औरोबंकी के चूषकांग (हॉस्टोरिया) सरसों की जड़ो में घुसकर पोषक तत्व प्राप्त करते हैं। सावधानी से उखाड़ कर देखें तो पता चलता है कि औरोबंकी की जड़े सरसों की जड़ों के अंदर घुसी हुई दिखती है। सरसों के पौधे के नीचे मिट्टी से निकलते हुए औरोबंकी परजीवी दिखाई पड़ते है।

### सरसों में समन्वित रोग प्रबंध

- सरसों में सफेदरोरी, झुलसा तथा डाऊनी मिल्ड्यू रोग लगता है। उन क्षेत्रों में एपरॉन 35 एसडी का बीजोपचार करें।
- जिन क्षेत्रों में तना गलन का प्रकोप होता है वहां कार्बेण्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलो से बीजोपचार करें या थायोफिनेट मिथाईल 2 ग्राम प्रति किलो से बीजोपचार करें।
- फसल की सिंचाई आवश्यकतानुसार करें तथा खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था करें।
- बुवाई समय पर यानि अक्टूबर माह के अंत तक पूरी कर देनी चाहिये देरी से बुवाई में अधिक रोग लगते है।
- पौधों में फूल आने पर 0.1 प्रतिशत पर से कार्बेन्डाजिम अथवा थायोफिनेट मिथाइल को 20 दिन के अंतराल में दो बार (बुवाई के 50 एवं 70 दिन बाद) पत्तियों पर छिड़काव करने से सरसों में तना गलन को नियंत्रित किया जा सकता है।
- सरसों में सफेदरोरी, झुलसा एवं डाऊनी मिल्ड्यू का प्रकोप जहां होता है वहां इन रोगों के लक्षण दिखाई देते ही रिडोमिल एम जेड या मेन्कोजेब 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें आवश्यकतानुसार पुनः 15 दिन बाद दोहरावें।
- जिन क्षेत्रों में छाछिया रोग का प्रकोप होता है वहां रोग नियंत्रण के लिए केराथेन 0.1 प्रतिशत या घुलनशील गंधक 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें या गंधक चूर्ण 25 किलो प्रति हेक्टेयर का भुरकाव करें।
- जहां औरोबंकी का प्रकोप अधिक होता है वहां औरोबंकी परजीवी को हाथ से उखाड़कर या सावधानी से कसी से निराई-गुड़ाई द्वारा जमीन के ऊपर के तने को काटकर बीज बनने से पहले ही नष्ट कर देना चाहिये।
- औरोबंकी के पौधों पर दो बूंद सोयाबीन के तेल का डाल देने से भी पौधा मर जाता है। यदि रसायनों का प्रयोग करना है तो सावधानी से औरोबंकी पर ग्लाइफोसेट 0.4 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें ध्यान रहे सरसों पर न गिरे।
- जहां सफेदरोरी का प्रकोप अधिक होता है वहां बेसिका अल्बा, ब्रेसीका केरीनेटा, ब्रेसीका नेपस का जातियां सफेदरोरी व अन्य रोगों से रोधी है उपयोग में लावें।
- तना गलन का प्रकोप होता है वहां धान व मक्का का फसल चक्र अपनावें, औरोबंकी ग्रसित क्षेत्रों में अरंडी का फसल चक्र अपनावें। उड़द एवं सरसों की क्रमवार बुवाई से भी तना गलन कम होता है।
- नए क्षेत्रों में औरोबंकी या अन्य रोगी खेत से बीज का प्रवेश नहीं होने देना चाहिये तथा परजीवी के बीज रहित सरसों के शुद्ध बीज का उपयोग करना चाहिये।

# सावधानी से करें यूरिया का उपयोग

## यूरिया का वर्गीकरण

यूरिया बहुउपयोगी उत्पाद है जिसको निम्न लिखित तीन वर्गों में विभाजित किया गया है.

## कृषि ग्रेड यूरिया

कृषि फसलों एवं उद्यानिकी फलों, मसाला, सब्जियों आदि हेतु.

## पशु आहार ग्रेड यूरिया

विभिन्न श्रेणी के पशुओं के दूध बढ़ाने फैट की मात्रा बढ़ाने तथा प्रोटीन के प्रमुख स्रोत हैं.

## टेक्निकल ग्रेड यूरिया

औद्योगिक उत्पाद के लिए पेड़-पौधों को यूरिया की उपलब्धता तथा प्रतिकूल परिस्थितियों में नत्रजन की क्षति - यूरिया का उपयोग मुख्य रूप से दो प्रकार से फसलों की आयु, वृद्धि की स्थिति, खेत की मिट्टी, जल स्तर, मिट्टी की अम्लता एवं क्षारीयता आदि स्थितियों के आधार पर किया जाता है। ठोस गोलियों के रूप में यूरिया को खेत की तैयारी के समय अन्य कार्बनिक खाद, स्फुर, पोटाश, सूक्ष्म तत्वों के साथ डाला जाता है। परंतु यह ध्यान रखें कि यूरिया कम से कम 3 इंच गहराई तक डाला जावे जिससे वह जमीन के अंदर अन्य जैविक स्रोतों, उपस्थित एंजाइम आदि के संयोजन से पौधों को उपलब्ध हो सके। समुचित नमी के अभाव में अथवा आक्सीजन की कमी आदि के कारण यूरिया के नत्रजन की गैस रूप में क्षति होती है। यदि भूमि अम्लीय एवं क्षारीय हो तो यूरिया न डाला जाए क्योंकि यूरिया उर्वरक की विशेषता है कि वह न तो अम्लीयता और न क्षारीयता के रासायनिक क्रिया में न्यूट्रल रहता है। यूरिया की खास विशेषता है कि वह पौधों को नाइट्रेट के रूप में नत्रजन देती है परंतु रासायनिक क्रियाओं में न्यूट्रल रहती है। जल में शीघ्रता से घुल जाती है तथा मिट्टी इसे अपने में सोख लेती है। खड़ी फसल में यूरिया कई बार पौधों की वृद्धि के अनुसार छिड़क कर दिया जाता है परंतु ऊपरी सतह पर सिंचाई करना जरूरी है।

## यूरिया घोल के रूप में छिड़कना

यूरिया को ठोस उर्वरक के रूप में उपयोग करने के साथ विपरीत परिस्थितियों में घोल के रूप में देना विशेष लाभप्रद है। क्योंकि उर्वरक की मात्रा कम लगती तथा उसका प्रभाव पत्तियों पर शीघ्र पड़ता है। घोल के रूप में यूरिया छिड़कते समय वायुमंडलीय आर्द्रता, पौधों की आयु, वानस्पतिक वृद्धि, पत्तियों का अच्छा विकास, पत्तियों में संचयित शकर की मात्रा के आधार पर घोल की सांद्रता निर्धारित करें। यूरिया को घोल के रूप में देते समय कीटनाशक दवाओं, फफूंदनाशक दवाओं, खरपतवारनाशक दवाओं के साथ मिलाकर छिड़कने से विशेष लाभ होता है परंतु ऐसे मिश्रण बनाते समय रसायनों का फैलाना आदि किसी कृषि जानकर वैज्ञानिक की सलाह से करना उचित होगा।

## यूरिया घोल का छिड़काव किस प्रकार के स्प्रेयर से करें तथा घोल की सांद्रता कितनी रखी जावे

सामान्यतः ग्रामीण क्षेत्रों में नेपसेक स्प्रेयर (हॉइवाल्यूम) आसानी से उपलब्ध होते हैं। उसमें फाइन नोजल रखा जावे तथा 6% घोल 600-800 लीटर पानी में घोलकर छिड़कें। मुलायम, नवीन पत्तियों वाले पौधों पर पतला घोल तथा वयस्क एवं हाई पौधों की सांद्रता वैज्ञानिकों के द्वारा की गयी अनुशंसा के आधार पर करें।

निम्न परिस्थितियों में यूरिया घोल को छिड़काव करना चाहिए -

- जब खेत में आधार या टाप ड्रेसिंग तरीके से उर्वरक देना संभव न हो।
- खेत की तैयारी हेतु समय कम हो।
- क्षारीय एवं अम्लीय मिट्टियां तथा मरुभूमि में।
- फसल प्रतिस्पर्धा तथा भूमि स्थिति ठीक न हो।
- जब पौधे की गुणवत्ता तथा मरम्मत आदि निर्धारित हो।
- जब उर्वरक महंगा एवं अनुपलब्ध हो।
- असिंचित एवं बारानी भूमि।
- जब फसल कमजोर एवं क्षतिग्रस्त हो।

## यूरिया का विकार बाइयुरेट

जब यूरिया की प्रिल (गोलियां अधिक (उच्च) तापमान एवं दाब पर बनाई जाती हैं तो समय अधिक लगने से यूरिया में एक अशुद्धि हो जाती है उसे 'बाइयुरेट' कहते हैं। जिन यूरिया में 1-2 प्रतिशत तक बाइयुरेट हो तो उसे आधार खाद या टाप ड्रेसिंग के लिए दिया जाये परंतु घोल के रूप में 0.300-0.4% के बाइयुरेट वाली यूरिया पशु आहार के रूप में उपयोग की जाती है। वह पशु आहार के लिए उपयुक्त है।

यूरिया घोल छिड़कते समय निम्न बातों पर ध्यान दें-

- यूरिया घोल की सांद्रता पौधों की आयु, वृद्धि के आधार पर निर्धारित करें।
- पत्तियों का अच्छा फोलरिज हो।
- हवा एवं वर्षा की स्थिति में छिड़काव न करें.
- दिन के गर्म अवधि में छिड़काव न करें.
- स्प्रेयर का नोजल महीन बूंदें दें।
- यूरिया घोल में कीटनाशक, फफूंदनाशक, खरपतवारनाशक दवाओं का उचित मिश्रण बनाकर ही छिड़काव करें।

**अरहर फसल को कीटों के प्रति अधिक सावधानियां रखनी होती है क्योंकि इस फसल में भी अन्य फसलों की तरह अंकुरण से लेकर पकने तक की अवस्था में विभिन्न प्रकार के कीटों का आक्रमण होता है परंतु फूल एवं फली वाली अवस्था में प्रकोप होने पर उत्पादन में कमी आ जाती है। इन अवस्थाओं में आर्थिक रूप से हानि पहुंचाने वाले प्रमुख कीटों को मुख्य रूप से दो भागों में विभाजित किया जा सकता है-**

## भेदक कीट

हरी रोंयेदार इल्ली या पिच्छकी शलभ (प्लूम मॉथ), चने की इली (हेलिकोवर्पा आर्मीजेरा), फली मक्खी (पॉड फ्लाई), चित्तीदार फली भेदक (स्पाटेड पॉड बोरर) आदि।

## रसचूसक कीट

भूरा फली बग (क्लेवीग्रेला गिब्बोसा) आदि।

समन्वित कीट प्रबंधन की विभिन्न विधियों का विवरण इस प्रकार है-

- फसल अवशेषों को नष्ट तथा ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करना चाहिये।
- अरहर की जल्दी पकने वाली जातियों का चुनाव करें जैसे- प्रगति, जाग्रति, उपास 120, प्रभात आदि।
- जिन क्षेत्रों में चित्तीदार फली भेदक का प्रकोप अधिक होता है वहां पर मध्यम अवधि की किस्मों की खेती करें जैसे आशा, नं. 148 आदि। इन जातियों में कीट प्रकोप कम होता है।
- प्रारंभिक अवस्था में हरी रोयेंदार इल्ली (पिच्छकी शलभ) की हरे या भूरे रंग की इल्लियों तथा शंखियों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें।
- चने का फली भेदक प्रकोपित क्षेत्रों में फेरोमेन प्रपंच का उपयोग करें तथा हर दिन सुबह इनमें इकट्ठी पंखियों को नष्ट कर दें। एक हेक्टेयर में 5 फेरोमेन प्रपंच लगाना चाहिए। इन प्रपंचों में प्रयुक्त सेप्टा को 15 दिन बाद बदल दें।

# अरहर में एकीकृत कीटनाशी प्रबंधन

- प्रकाश प्रपंच का उपयोग करें तथा सुबह इनमें इकट्ठा प्रौढों को नष्ट कर दें।
- खेत के अन्दर 4 से 5 मीटर की दूरी पर टी आकार की बांस की खूंटियों को, जिसकी लगभग ऊंचाई फसल से 30 से.मी. अधिक हो, लगा दें।
- अरहर की फसल में हानिकारक कीटों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के परभक्षी मित्र जीव (मकड़ी, बड़ा पतंगा, मेन्टिड, काक्सीनेला, रिजूविड बग, क्रायसोपा आदि) परजीवी मित्र कीट (एपेन्टेलिस, ब्रेकान, ग्रायन, डायडिगमा, केम्पोलेटिस आदि) तथा रोगाणु पाये जाते हैं। अतः कीटनाशकों का प्रयोग बहुत सोच समझकर करें ताकि मित्र जीवों का संरक्षण एवं संवर्धन फसल के अंदर होता रहे।
- हानिकारक कीटों के सर्वेक्षण के अंतर्गत फसल पर फूलने एवं फली भरने की अवस्था पर हानिकारक कीट एवं उनके प्राकृतिक शत्रु (मित्र कीट) की संख्या के आकलन हेतु सामान्य नजरिया आकलन सप्ताह में दो बार करना चाहिये।
- अरहर में फूल आने की अवस्था में जब कीड़े आर्थिक हानि स्तर पर पहुंचने लगे या हानिकारक कीटों एवं लाभदायक जीवों का अनुपात 1: 05 होने पर सतर्क हो जायें तथा कम अनुपात होने पर कीटनाशकों का उपयोग करें। पहला छिड़काव 10 दिनों के अंतराल पर एन. पी. वी.(न्यूक्लियर पालीहाइड्रोसिस वायरस) का 250-500 एल.ई. या नीम तेल का 2.5 लीटर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें। यह नव विकसित इल्लियों के नियंत्रण के लिये काफी कारगर होता है।
- कीटों के अधिक प्रकोप होने की स्थिति में रसायनिक नियंत्रण के लिए प्रथम छिड़काव मेलाथियान 50 ई.सी. 35 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से एवं उसके 15 दिन बाद दूसरा छिड़काव इसके बाद भी आवश्यकता पड़ने पर फिर से 15 दिन बाद तीसरा छिड़काव क्लोरोपायरीफॉस 20 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से करें। हमेशा अदल-बदल कर कीटनाशकों का उपयोग करें।

उक्त समन्वित विधियों को अपनाकर किसान भाई अरहर के हानिकारक कीटों

का प्रभावशाली ढंग से प्रबंधन कर अपनी आर्थिक स्थिति सुधार सकते हैं। साथ ही कीटनाशकों से होने वाली प्रदूषण की समस्याओं को भी कम कर सकते हैं।

## हेराफेरी 3 से भी कटा कार्तिक का पत्ता, प्रियदर्शन पहली बार करेंगे किसी सीक्वल का निर्देशन

हिंदी सिनेमा की कॉमेडी फिल्मों में 'हेराफेरी' का अलग ही फैन बेस है। इसमें परेश रावल के निभाए किरदार बाबूराव गणपतराव आप्टे पर जितने मीम्स बने हैं, उतने शायद ही हिंदी सिनेमा के किसी दूसरे किरदार पर बने हों। अगले महीने इस फिल्म की रिलीज के 25 साल पूरे होने जा रहे हैं और इस दिन फिल्म 'हेराफेरी 3' को लेकर भी एक बड़ा एलान होने जा रहा है। इस फ्रेंचाइजी की साल 2006 में रिलीज सीक्वल 'फिर हेराफेरी' को नीरज वोरा ने निर्देशित किया था। अब प्रियदर्शन इसकी तीसरी कड़ी निर्देशित करने जा रहे हैं और ये पहली बार होगा जब प्रियदर्शन अपनी ही किसी फिल्म की कोई सीक्वल निर्देशित करेंगे। फिल्म में एक अहम किरदार कार्तिक आर्यन का भी था, और फिल्म में बाबूराव का किरदार करने वाले परेश रावल ने बाकायदा इसकी सोशल मीडिया पर पुष्टि भी की थी, लेकिन अब कार्तिक आर्यन इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। परेश के मुताबिक, फिल्म 'हेराफेरी 3' जब निर्देशक फरहाद सामजी के साथ बन रही थी तो उसमें कार्तिक आर्यन को एक नए किरदार के रूप मे लाया जाना था। किस्सा कुछ यूं बना था कि कुछ लोग उसे राजू समझकर पकड़ लाते हैं। फिर फरहाद सामजी की फिल्म से छुट्टी हुई और प्रियदर्शन आ गए तो फिल्म की कहानी भी बदल गई। फिल्म 'हेराफेरी 3' पहले नीरज वोरा ही निर्देशित कर रहे थे तब फिल्म में अक्षय, परेश रावल और सुनील शेट्टी तीनों थे। लेकिन, जब अक्षय और परेश ने ये फिल्म करने से मना किया तो नीरज वोरा फिल्म में जॉन अब्राहम, अभिषेक बच्चन और नाना पाटेकर को ले आए थे, लेकिन नीरज के आकस्मिक निधन के बाद से फिल्म लटकी रही।

निर्देशक इंद्र कुमार व अनीस बज्मी के नाम भी फिल्म से जुड़े पर इस साल जाकर ये तय हुआ है कि फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ही करेंगे और फिल्म अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल के साथ ही बनेगी। फिल्म 'हेराफेरी' 25 साल पहले रिलीज हुई थी और इसकी सिल्वर जुबली अगले महीने होली के ठीक बाद मनाने की तैयारी है, उसी दिन फिल्म 'हेराफेरी 3' को लेकर एक बड़ा एलान भी होने वाला है।

# सबसे ज्यादा ब्यूटी टाइटल जीत चुकी हैं उर्वशी रौतेला, मॉडलिंग ने खोला अभिनय का रास्ता

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अपने अभिनय से ज्यादा अपने ग्लैमर और खूबसूरती के लिए जानी जाती हैं। उर्वशी अपना 31वां जन्मदिन मना रही हैं। अभिनेत्री अपने बेहतरीन स्टाइल से समय-समय पर फैशन गोल्स भी देती रहती हैं। उनकी हर एक तस्वीर सोशल मीडिया पर छाई रहती है। हाल ही में अभिनेत्री डाकू महाराज में नजर आई थीं, जिसमें अपने डांस नंबर से अभिनेत्री ने लोगों को दीवाना बना दिया। उर्वशी रौतेला अपनी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर चर्चा में तो बनी ही रहती हैं, लेकिन इसके साथ ही वह अपने फैशन सेंस और पर्सनल लाइफ को लेकर भी खूब चर्चा बटोरती हैं। अभिनेत्री के जन्मदिन के मौके पर जानते हैं उनसे जुड़ी खास बातें।

### बॉलीवुड से साउथ तक छाई उर्वशी

25 फरवरी, 1994 को उत्तराखंड में जन्मीं उर्वशी रौतेला अपने परिवार से पहली शख्सियत हैं, जिन्होंने अभिनय की दुनिया और मॉडलिंग के ग्लैमर वर्ल्ड में किस्मत आजमाई। अपनी खूबसूरती और काबिलियत के बल पर देश से लेकर विदेशों तक में अपनी पहचान बनाने वाली उर्वशी रौतेला का कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं रहा है। उर्वशी के पिता मानव सिंह बिजनेसमैन हैं। उनकी मां मीरा संस्कृति से कुमाऊंनी और एक सफल उद्यमी हैं। वह एक लग्जरी ब्यूटी सैलून की मालिक हैं।

### नेशनल लेवल की बास्केटबॉल प्लेयर रह चुकी हैं उर्वशी

उर्वशी रौतेला अपनी खूबसूरती और कमाल की फिटनेस के लिए तो जानी जाती हैं, लेकिन यह बात कम ही लोग जानते हैं कि असल जिंदगी में वह राष्ट्रीय स्तर के बास्केटबॉल खिलाड़ी भी रह चुकी हैं। अभिनेत्री ने बास्केटबॉल के लिए विभिन्न प्लेटफार्मों पर अपने राज्य उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व किया है।

### पांच डांस फॉर्म में माहिर हैं उर्वशी रौतेला

उर्वशी रौतेला अभिनय के साथ ही बेहतरीन डांसर भी हैं। उनके कातिलाना डांस मूव्स के पीछे की वजह यह है कि वह एक ट्रेंड डांसर हैं। उर्वशी पांच तरह के डांस फॉर्म्स भरतनाट्यम, कथक, जैज, हिप-हॉप और बेली डांस में माहिर हैं। इसके बाद उर्वशी ने अभिनय में भी अपनी किस्मत आजमाई और उन्होंने अपनी काबिलियत के दम पर बॉलीवुड में अच्छा-खासा मुकाम हासिल किया है। साथ ही अब वह साउथ इंडस्ट्री में भी पैर जमा रही हैं।

### सबसे ज्यादा ब्यूटी टाइटल अपने नाम कर चुकी हैं उर्वशी

उर्वशी रौतेला की खूबसूरती के तो सभी कायल हैं। बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने से पहले उर्वशी दो बड़े खिताब को अपने नाम कर चुकी हैं। वह पहली महिला हैं, जिन्होंने 2012 और 2015 में दो मिस यूनिवर्स इंडिया का ताज जीता। इसके अलावा साल 2018 में भी उन्हें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की सरकार और पर्यटन द्वारा ब्रह्मांड में सबसे कम उम्र की सबसे खूबसूरत महिला के रूप में सम्मानित किया गया था। उर्वशी रौतेला सबसे ज्यादा ब्यूटी टाइटल अपने नाम करने वाली महिला में शुमार हैं।

# सिनेमाघरों में मलयालम थ्रिलर 'फुटेज' की हिंदी रीमेक रिलीज होगी

फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप मलयालम थ्रिलर फुटेज का हिंदी वर्जन पेश करने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में मंजू वारियर मुख्य भूमिका में हैं। कश्यप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर प्रशंसकों को जानकारी दी। अनुराग कश्यप ने कहा, मैंने 'फुटेज' का मलयालम संस्करण देखा और यह मेरे दिमाग में बस गया। यह फिल्म पिछले साल केरल में रिलीज हुई थी और इसे काफी सराहना मिली थी। अब इसे पूरे देश के सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म सैजू श्रीधरन के निर्देशन में बनी पहली फिल्म है। श्रीधरन को महेशिंते प्रतिकारम और कुंबलंगी नाइट्स जैसी सफल फिल्मों के लिए जाना जाता है। अनुराग कश्यप ने कहा, मलयालम सिनेमा के युवा फिल्म निर्माताओं को नए अंदाज और तकनीक से कहानियां कहते हुए देखना रोमांचक है। वे रूढ़ियों को तोड़ रहे हैं और नई चीजों को करने की कोशिश कर रहे हैं। इस फिल्म में मंजू वारियर के अलावा विशाक नायर और गायत्री अशोक भी नजर आएंगी। कहानी एक यूट्यूब व्लॉगिंग कपल की है, जो कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान अपने एक हेल्पर की खोज के लिए निकलते हैं। उनकी खोज उन्हें एक अलग द्वीप और एक रोमांचक सफर पर ले जाती है। मंजू वारियर ने कहा, फाउंड-फुटेज फॉर्मेट ने इस फिल्म को खास बना दिया। पूरी कहानी पात्रों को वीडियो रिकॉर्डिंग के जरिए बताई गई, जिससे यह बेहद रोमांचक अनुभव बन गया। फिल्म के हिंदी संस्करण को फ्लिप फिल्म्स, सिनेपॉलिस के साथ साझेदारी में रिलीज करेगी। अनुराग कश्यप हाल ही में टाइगर्स पॉन्ड फिल्म से भी जुड़े, जो इस साल बर्लिनले फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित होने वाली पहली कन्नड़ फिल्म बनी। निर्देशक सैजू श्रीधरन ने कहा, हम बहुत खुश हैं कि अनुराग कश्यप और सिनेपॉलिस हमारी फिल्म को हिंदी दर्शकों तक पहुंचाने में मदद कर रहे हैं। गायत्री अशोक ने कहा कि अनुराग कश्यप के समर्थन से यह फिल्म तकनीकी और सौंदर्य की दृष्टि से शानदार साबित होगी, जबकि विशाक नायर ने इसे पूरी टीम की कड़ी मेहनत का परिणाम बताया। फिल्म 7 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# कभी जान्हवी ने उड़ाया था हिमेश रेशमिया का मजाक, सिंगर ने अब किया रिएक्ट

हिमेश रेशमिया की किस्मत के सितारे इन दिनों बुलंदी पर हैं। फिल्म बैडएस रवि कुमार की सफलता को एंजॉय कर रहे हिमेश ने ऐसा भी वक्त देखा है, जब उन्हें खूब ट्रोल किया गया। उनकी आलोचनाएं हुईं और मजाक उड़ाया गया। खुद के बारे में कही गई बातों पर हाल ही में हिमेश ने प्रतिक्रिया दी और बताया कि वे इनसे कैसे निपटते हैं? कुछ वक्त पहले अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने सारा अली खान के साथ कॉफी विद करण में शिरकत की थी। इस दौरान जान्हवी ने कहा था कि उन्हें हिमेश के फीड पर जाना और बैकग्राउंड में तंदूरी नाइट्स के साथ उन्हें वर्कआउट करते देखना अच्छा लगता है। उन्होंने उनकी नकल भी की थी। जान्हवी ने हंसते हुए कहा था, यह दुनिया की सबसे अच्छी चीज है। मुझे यह पसंद है।

### बहुत पहले छोड़ देता काम करना

हिमेश रेशमिया ने कहा, अगर मुझ पर लोगों की बातों का असर पड़ा होता तो मैं बहुत पहले ही यहां काम करना बंद कर देता। अगर मुझे खुद पर जरा भी शक होता, तो मैं यहां नहीं होता। आपको वही करना चाहिए जो आप कर सकते हैं। भगवान से प्रार्थना करें और अपने रास्ते में आने वाले प्यार को स्वीकार करें। उन्होंने आगे कहा, अक्षय कुमार हमेशा कहते हैं कि हमारे पास ये सभी फॉर्मूले हैं, किसी और की बात सुनो और फिर उसमें सुधार करो। अगर उनके पास एक निश्चित नजरिया है, तो उस पर काम करों और साबित करो।

### नजरिए का फर्क है

हिमेश ने आगे कहा, आज मैंने बैडएस रवि कुमार के साथ अपनी मेहनत का फल देखा है। मुझे जो 6 दिखता है, आपको 9 दिखता है, यह नजरिए का फर्क है। किसी की आलोचना का बुरा नहीं मानना चाहिए। जब आशिक बनाया आया, तो बहुत ट्रोलिंग हुई, लेकिन वही लोग क्लबों में नाच रहे थे।

# पुष्पा 2 के बाद एक नई फिल्म शुरू कर रहे अल्लू

साउथ सुपरस्टार अल्लू कलाकारों की कास्टिंग शुरू कर अर्जुन पुष्पा दे दी है। उन्होंने फिल्म में अहम रूल की सफलता के बाद अब अपनी अगली फिल्म की तैयारियों में जुट गए हैं। हैदराबाद में फिल्म का प्री-प्रोडक्शन जोरों पर है और फिल्म को लेकर एक नया और दिलचस्प अपडेट सामने आया है। निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास ने फिल्म के लिए भूमिकाओं के लिए कई एक्टर्स से संपर्क किया है। हालांकि, अभी तक इन कलाकारों के नाम या उनके किरदारों का खुलासा नहीं किया गया है। इसकी आधिकारिक पुष्टि निर्देशक की ओर से आनी बाकी है। पुष्पा 2 की तरह, यह भी एक पैन इंडिया फिल्म होगी। निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास ने फिल्म के लिए कलाकारों की कास्टिंग शुरू कर दी है।

# गो गोवा गॉन के सीक्वल का निर्देशन करेंगे कुणाल खेमू

**बॉलीवुड अभिनेता कुणाल खेमू ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कई चीजों पर खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने फिल्म के निर्देशन को लेकर भी अपनी इच्छा जाहिर की। एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर उन्हें मौका मिला तो वह फिल्म गो गोआ गॉन का सीक्वल जरूर निर्देशित करना चाहेंगे।**

इस फिल्म में सैफ अली खान मुख्य भूमिका में थे। कुणाल खेमू ने अपने करियर की शुरुआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की थी। हम हैं राही प्यार के और राजा हिंदुस्तानी जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम करने के बाद वह बतौर लीड एक्टर कलयुग में नजर आए थे। इसके बाद उन्होंने गो गोआ गॉन, ढोल, गोलमाल 3 और गोलमाल अगेन जैसी कॉमेडी फिल्मों से लोगों के दिलों में खास जगह बनाई।

### गो गोवा गॉन के सीक्वल का करना चाहते हैं निर्देशन

पिछले साल कुणाल ने डायरेक्टर के रूप में अपनी शुरुआत मडगांव एक्सप्रेस नाम की फिल्म से की थी। इस फिल्म में प्रतीक गांधी, अविनाश तिवारी और दिव्येंदु मुख्य भूमिका में थे। बातचीत के दौरान कुणाल ने कहा, मैंने गो गोआ गॉन में सैफ अली खान के साथ काम किया था और मुझे वह अनुभव बहुत पसंद आया था। अगर मुझे मौका मिला तो मैं इसका सीक्वल जरूर बनाऊंगा। साथ ही, मैं अपनी सास शर्मिला टैगोर के साथ भी फिल्म में काम करना चाहूंगा।

### फिल्म के दूसरे भाग को लेकर कही ये बात

गो गोआ गॉन के सीक्वल के बारे में बात करते हुए कुणाल ने कहा, सीक्वल बनाना बहुत डरावना होता है, क्योंकि पहले लोग बिना किसी उम्मीद के आते हैं, लेकिन जब उन्हें फिल्म पसंद आती है तो वे सीक्वल के लिए उम्मीदें लेकर आते हैं। इसलिए हम पहले से ही यह सोचते हैं कि दर्शक क्या सोचेंगे। हालांकि, यह भी बहुत रोमांचक भी होता है, क्योंकि अब हमें दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरना होता है। गो गोआ गॉन 2 की घोषणा साल 2018 में की गई थी, लेकिन कुछ वजहों से यह फिल्म अब तक नहीं बन सकी है।

# नेहा मलिक ने फैंस को दिया सरप्राइज लॉन्च कर रही हैं पर्सनल एप

अभिनेत्री और मॉडल नेहा मलिक अपना पर्सनल एप लॉन्च करने जा रही हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी है। नेहा ने लिखा है, मेरे उन सभी फैंस के लिए एक बड़ा सरप्राइज, जो मुझसे सीधे कनेक्ट होना चाहते हैं। नेहा ने लिखा है, मैं अपना पर्सनल एप लॉन्च कर रही हूं। इसके अलावा नेहा ने ईशा गुप्ता के साथ भी तस्वीरें शेयर की हैं और बताया है कि नए वीडियो में दोनों साथ नजर आएंगी। फैंस दोनों को साथ देखने के लिए उत्साहित हैं, फिलहाल ईशा, हनी सिंह के गाने मैनियक में नजर आ रही हैं।

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट संपादक ओमवीर आर्य द्वारा वत्स ऑफसेट, पता- मुद्दा हाउस, सी-ब्लॉक, बारात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जिला गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण क्षेत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673